देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 184 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
युनूस का
पुराना रुख

पेज थ्री

देहरादून, शनिवार, 26 अक्टूबर 2024

मौसम अधिकतम 28.0° न्यूनतम 18.0°

79924.77

2 अब कमजोर हुआ हमास!

7 सत्ता खोल मिचेल सैंटनर ने रचा इतिहास

ज्ञानवापी परिसर में न सर्वे होगा, न खुदाई

वाराणसी कोर्ट से हिंदू पक्ष को बड़ा झटका, खारिज हुई याचिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाराणसीः ज्ञानवापी मामले में हिंदू पक्ष को बड़ा झटका लगा है। हिंदू पक्ष की संपूर्ण ज्ञानवापी परिसर के अतिरिक्त सर्वे की अपील पर कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। कोर्ट ने हिंदू पक्ष के अतिरिक्त सर्वे की मांग को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद में न तो सर्वे होगा और न ही खुदाई होगी। ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे को लेकर वाराणसी के सिविल जज सीनियर डिविजन फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई चल रही थी। एएसआई सर्वे होने के बाद अतिरिक्त सर्वे की जरूरत पर कोर्ट ने सवाल किया था। 8 महीने तक इस मामले की सुनवाई चली थी, जिसके बाद आज इस पर फैसला आ गया। हिंदू पक्ष अदालत के फैसले से संतुष्ट नहीं है और मामले को लेकर हाई कोर्ट में जाने की तैयारी में है।

हिंदू पक्षकार विजय शंकर रस्तोगी ने अपनी याचिका में दावा किया था कि मस्जिद के मुख्य गुंबद के नीचे भगवान आदि विश्वेश्वर का 100 फीट का विशाल शिवलिंग और अरघा स्थित है, जिसका पेनीट्रेटिंग राडार की मदद से सर्वे किया जाना चाहिए। इसके अलावा वजूखाने और बचे हुए तहखानों के सर्वे की भी मांग की गई थी।

मुस्लिम पक्ष ने इन मांगों का विरोध किया था। उन्होंने आगे कहा कि सुनवाई में मुस्लिम पक्ष इसके विपरीत कहता है। हिंदू जो भी कहेगा, वह बिल्कुल विपरीत ही कहेंगे। वह कह रहे थे कि सर्वे उचित नहीं है और सर्वे नहीं होना चाहिए। वह ऐसी बातें कर रहे थे जिसका कोई मतलब नहीं है। किस तरीके का सर्वे हो इस पर वह कहते हैं, हम ऐसा करना चाहते हैं एक सर्वेक्षण कि केंद्रीय गुंबद के नीचे, स्वयंभू ज्योतिर्लिंग का सौ फीट लंबा शिवलिंग है और अरघा सौ फीट गहरा है। उन्होंने इसे बड़ी सीमाओं और पट्टियों से ढक दिया है और इसे अस्तित्वहीन कर दिया है। हम इसे प्रकाश में लाना चाहते हैं। न तो एएसआई और न ही जीपीआर सिस्टम वहां काम कर रहा था।

बता दें कि वादमित्र ने ज्ञानवापी में एएसआई से अतिरिक्त सर्वे कराने की अपील करते हुए सिविल जज की अदालत में सात फरवरी 2024 को प्रार्थना पत्र दिया था। वादमित्र और प्रतिवादी अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद व उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की बहस पूरी होने के बाद अदालत ने आदेश के लिए 25 अक्टूबर की तिथि तय की थी।

मंदिर परिसर के चप्पे-चप्पे का सर्वे होः हिंदू पक्ष

हिंदू पक्ष ने दावा किया है कि मुख्य गुंबद के नीचे 100 फुट का शिवलिंग मौजूद है और परिसर के शेष स्थल की खुदाई कराकर एएसआई सर्वे कराया जाना चाहिए। यह मामला 1991 में सोमनाथ व्यास द्वारा दाखिल किए गए वाद से जुड़ा है। हिन्दू पक्ष के वकील विजय शंकर रस्तोगी ने कहा एएसआई सर्वे पहले ही हो चुका था लेकिन इस केस में 08 अप्रैल 2021 को एक आदेश पारित हुआ है। उस आदेश के अनुपालन में कोई आदेश नहीं हुआ था, इसलिए मेरे द्वारा प्रार्थना पत्र दिया गया था कि संपूर्ण ज्ञानवापी परिसर का अतिरिक्त सर्वे कराया जाए। जो पूर्व के सर्वे में नहीं हुआ है वह कराया जाए।

क्यों चाहिए सर्वे

हिंदू पक्षकार विजय शंकर रस्तोगी ने बताया कि न तो एएसआई और न ही जीपीआर सिस्टम स्पष्ट आकार और नीचे की हर चीज की रिपोर्ट देने में सक्षम था। इसलिए मेरी अदालत से यही प्रार्थना थी कि इस संरचना से हटकर, इसे कोई नुकसान पहुंचाए बिना, 10 मीटर, 5 मीटर दूर गड्ढा खोदकर अंदर जाएं और उस स्तर पर देखें कि स्वयंभू विश्वेश्वर का ज्योतिर्लिंग, जिनके नाम से काशी जानी जाती है, जिनके नाम से काशी दुनिया में प्रसिद्ध है, ऐसे विश्वनाथ वहां मौजूद हैं या नहीं और उसके बारे में रिपोर्ट करें।"

संक्षिप्त समाचार

योजनाओं की स्वीकृति में प्रक्रियाओं को सरल किया जाएगाः सीएस

संवाददाता देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिवों एवं सभी विभागीय सचिवों को उनके विभागों में प्रस्तावित व गतिमान योजनाओं आदि का जमीनी स्तर पर भली-भांति परीक्षण व तुलना करने के बाद ही मंत्रिमण्डल की बैठक में विचारार्थ प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किये हैं। सभी विभागो को अपनी वर्तमान योजनाओं का आंकलन कर एक समान योजनाओं को मिलाने के प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

राहुल गांधी का एनडीए सरकार पर हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले को लेकर एनडीए सरकार पर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि एनडीए सरकार की नीतियां सुरक्षा और शांति कायम करने में पूरी तरह फेल हैं। सरकार की इस पर जवाबदेही तय करनी चाहिए।

28-29 अक्तूबर तक एलएसी से पीछे हटेंगी दोनों देशों की सेनाएं

सैनिकों को वापस बुलाने के बाद एलएसी पर शुरू होगी गश्त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच सीमा पर पिछले कुछ सालों से चला आ रहा तनाव खत्म होता दिखाई दे रहा है। हाल ही में पैट्रोलिंग को लेकर समझौता करने के बाद दोनों देशों की सेनाओं ने अपने-अपने स्थान से पीछे हटने का भी फैसला किया है।

भारतीय सेना के सूत्रों के हवाले से बताया कि दोनों देश की सेनाएं 28-29 अक्टूबर तक पूरी तरह से पीछे हट जाएंगीं। हालांकि, यह समझौता केवल देपसांग और डेमचोक के लिए लागू होगा, अन्य जगहों के लिए नहीं। सूत्रों के अनुसार दोनों देशों के सैनिक 2020 से पहले की स्थिति में वापस आ जाएंगे। साथ ही सीमा से अस्थायी ढांचे को हटाने पर भी सहमति बनी है। भारतीय सेना के सूत्रों ने एजेंसी को बताया, हालिया समझौते केवल देपसांग और डेमचोक के लिए लागू होंगे, अन्य स्थानों के लिए नहीं। यह समझौता अन्य टकराव वाले क्षेत्रों पर लागू नहीं होगा।

सूत्रों के अनुसार, दोनों पक्षों के सैनिक अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति में वापस आ जाएंगे और वे उन क्षेत्रों में गश्त करेंगे, जहां उन्होंने अप्रैल 2020 तक गश्त की थी। नियमित ग्राउंड कमांडरों की बैठकें आयोजित की जाती रहेंगी। गश्ती दल में सैनिकों की एक खास ताकत की पहचान की गई है और किसी भी गलतफहमी से बचने के लिए हम एक-दूसरे को सूचित करेंगे कि हम कब गश्त करने जा रहे हैं।

एजेंसी के मुताबिक सूत्रों ने कहा, चीन के साथ वार्ता में कोई लेन-देन नहीं हुआ। वर्तमान वार्ता में केवल पूर्वी लद्दाख में देपसांग और डेमचोक के लिए निर्णय लिए गए हैं। भारतीय सेना और चीनी सेना इस महीने के अंत तक अपने-अपने गश्त बिंदुओं तक गश्त शुरू कर देंगी।

अस्थायी ढांचे को हटाया जाएगा

सूत्रों ने बताया, शेड या टेंट और सैनिकों जैसे सभी अस्थायी बुनियादी ढांचे को हटा दिया जाएगा। दोनों पक्ष क्षेत्र पर निगरानी रखेंगे। देपसांग और डेमचोक में गश्त बिंदु वे बिंदु होंगे, जहां पारंपरिक रूप से अप्रैल 2020 से पहले गश्त करते थे।

लोगों को किसी भी प्रकार से परेशानी न हो: सीएम

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि आगामी दीपावली और राज्य स्थापना दिवस के दृष्टिगत प्रदेशभर में स्वच्छता, सुरक्षा, स्वास्थ्य, यातायात की बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चत की जाएं।

सचिवालय में बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि दीपावली के पर्व पर यातायात प्रबंधन का विशेष ध्यान रखा जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि आवागमन में लोगों को किसी भी प्रकार से परेशानी न हो। अग्निशमन विभाग द्वारा दीपावली पर आगजनी घटनाओं से बचाव के लिए अग्निशमन वाहनों की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। स्वास्थ्य विभाग को सभी आपतकालीन व्यवस्था रखने के साथ ही बर्न यूनिट 24 घण्टे सुचारू अवस्था में रखें। त्योहारों में खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी को रोकने के लिए खाद्य पदार्थों की नियमित सैंपलिंग करने के भी निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं। उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट, थूकने की घटनाओं और गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर संबंधितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। राज्य स्थापना दिवस की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि जनपदों के सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।

निर्देश

- दीपावली पर बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चत की जाए

6 से 12 नवम्बर तक प्रदेश में होंगे विभिन्न कार्यक्रम

राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 06 से 12 नवम्बर तक प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। निर्देश दिये कि दीपावली और राज्य स्थापना दिवस के दृष्टिगत प्रदेश के अन्तरराज्यीय और अन्तरराष्ट्रीय सीमाओं पर सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की जाए।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

पांच सीटें दो नहीं तो 25 पर लड़ेंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

- एमवीए में खुली बगावत, सपा ने दिया कल तक का अल्टीमेटम

मुंबई। महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी में खुलकर बगावत सामने आने लगी है, जहां समाजवादी पार्टी ने गठबंधन के अन्य सहयोगियों को खुली चुनौती देते हुए कहा है कि पांच सीटें दे दो वरना वह 25 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। साथ ही समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा है और कहा है कि कांग्रेस इसलिए हारती है, क्योंकि वे दिल्ली जाते रहते हैं, यहां फैसले नहीं लेते। समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने कहा, हमने जो 5 उम्मीदवार घोषित किए हैं, वे जीतने वाले हैं। मैं उतना इंतजार नहीं कर सकता जितना ये (महा विकास अघाड़ी) लोग कर रहे हैं।

उन्होंने महा विकास अघाड़ी के अन्य दलों की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा, सिर्फ 2 दिन बचे हैं। दुख की बात है कि जो लोग सरकार बनाने की बात कर रहे हैं, वे टिकट नहीं बांट रहे हैं। इतना विलंब करना महा विकास अघाड़ी की बहुत बड़ी भूल है। मैंने पवार साहब (शरद पवार) से अपना दुख व्यक्त किया। अबु आजमी के अनुसार, मैंने उनसे कहा कि मैंने 5 उम्मीदवार घोषित किए हैं।

न्यूज डायरी

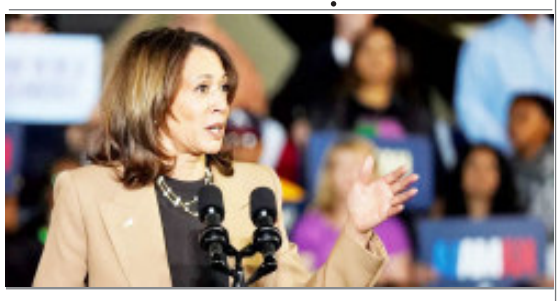

कमला हैरिस को मिला नोबेल विजेता अर्थशास्त्रियों का साथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले डेमोक्रेटिक पार्टी उम्मीदवार एवं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को 23 नोबेल पुरस्कार अर्थशास्त्रियों का साथ मिला है। इन अर्थशास्त्रियों ने 228 शब्दों का एक पत्र कमला हैरिस के नाम लिखा। अर्थशास्त्रियों ने अर्थव्यवस्था पर कमला हैरिस की नीतियों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि कमला हैरिस की नीतियां बेहद बेहतर हैं। बता दें कि इससे पहले जून महीने में 15 नोबेल पुरस्कार अर्थशास्त्रियों ने राष्ट्रपति जो बाइडन की तारीफ की थी। कमला हैरिस की तारीफ करने वाले अर्थशास्त्रियों में इस साल के नोबेल पुरस्कार विजेता मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के साइमन जॉनसन और डेरॉन ऐसमोग्लू भी शामिल हैं। पांच नवंबर को अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव है। उससे पहले कमला हैरिस को इन नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्रियों का साथ मिला है। अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर हैरिस अपने प्रतिद्वंद्वी ट्रंप से पीछे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अर्थशास्त्रियों ने पत्र में लिखा कि हम में से सभी के आर्थिक नीतियों पर विचार अलग–अलग हैं। मगर हमारा यह भी मानना है कि कमला हैरिस का आर्थिक एजेंडा ट्रंप के मुकाबले अधिक बेहतर है। यह हमारे देश के स्वास्थ्य, निवेश, स्थिरता, लचीलेपन, रोजगार के अवसरों में सुधार करेगा। पत्र में यह भी लिखा है कि आर्थिक सफलता तभी मिल सकती है जब कानून का शासन हो और आर्थिक व राजनीतिक स्थिरता बनी रहे। मगर डोनाल्ड ट्रंप इन सभी के लिए खतरा हैं।

तालिबान का फरमान, जीवित चीजों की तस्वीरें दिखाने पर बैन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। तालिबान ने अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत में एक अजीबोगरीब कानून लागू किया है, जिसमें मीडिया में जीवित प्राणियों की तस्वीरें दिखाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। तालिबान के नैतिकता कानूनों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए यह आदेश जारी किया गया। सूचना मंत्रालय के अधिकारियों ने इस फैसले की घोषणा की, जिसमें इंसानों और जानवरों की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी पर रोक लगाने की बात कही गई है। खबरों के मुताबिक कानून को धीरे–धीरे पूरे देश में लागू किए जाने की योजना है। अफगानिस्तान की सत्ता अपने हाथ में लेने के बाद से ही तालिबान ने सख्त इस्लामी कानून लागू करना शुरु कर दिया था। उन्होंने कहा कि इस कानून के तहत लोगों को बताया जाएगा कि जीवित चीजों की तस्वीरें इस्लामी कानून के खिलाफ हैं। इसका पालन करने के लिए उन्हें समझाने की कोशिश की जाएगी। हालांकि, खैबर ने जोर देकर कहा कि कानून के कार्यान्वयन में जबरदस्ती का कोई स्थान नहीं होगा और इसे केवल सलाह के रूप में पेश किया जाएगा। अगस्त में, देश के वाइस और सदाचार मंत्रालय ने सार्वजनिक परिवहन, शेविंग, मीडिया और समारोहों जैसे रोजमर्रा के जीवन के पहलुओं को विनियमित करने वाले कानून प्रकाशित किए, जो अधिकारियों द्वारा इस्लामी कानून या शरिया की व्याख्या को दर्शाते हैं।

मोहम्मद मुइज्जू सरकारी कर्मचारियों की काटेंगे सैलरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) माले। भारत के पड़ोसी मालदीव के आर्थिक हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। इसे देखते हुए मालदीव के राष्ट्रपति ने आर्थिक सुधारों के प्रयासों के हिस्से के रूप में लागत में कटौती की घोषणा की है। राष्ट्रपति के कार्यालय ने घोषणा की कि मोहम्मद मुइज्जू अपनी सैलरी में 50 फीसदी नहीं लेंगे। कर्ज के संकट से निपटने के लिए मालदीव में सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में भी कटौती की जाएगी। बैंकों को छोड़कर सभी राजनीतिक नियुक्तियों और सरकारी कर्मचारियों के वेतन में 10 फीसदी कटौती होगी। एक्स पर उन्होंने लिखा, जब 2025 का बजट पेश किया जाएगा तो आर्थिक सुधार एजेंडे के तहत सरकार खर्च को कम करने के लिए 2 साल की अवधि के लिए कई उपाय किए जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक मुइज्जू की सैलरी अगले साल से 39,087 डॉलर हो जाएगी। 2016 की जनगणना के मुताबिक मालदीव में औसत घरेलू आय प्रति वर्ष 316,740 रुफिया है। जज और सांसदों को कटौती से छूट मिलेगी। हालांकि मुइज्जू के ऑफिस ने उम्मीद जताई है कि वे स्वेच्छा से 10 फीसदी की कटौती पर सहमत होकर बोझ को साझा करेंगे।

याह्या सिनवार की मौत के बाद कमजोर हुआ हमास!

रिपोर्ट

हमास ने इजरायल के सामने युद्ध रोकने के लिए रखी डील

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

यरुशलम। इजायरल और हमास के बीच बीते लंबे समय से युद्ध जारी है। इस युद्ध के दौरान अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है। इजरायल के साथ लंबे समय से चल रहे युद्ध में हमास का सबसे बड़ा नेता याह्या सिनवार बीते दिनों इजरायली हमले में मारा गया। उसके तमाम बड़े नेता अब मारे जा चुके हैं। ऐसे में इजरायल डिफेंस फोर्स के लगातार एक्शन के बाद अब हमास में त्राहिमाम मच गया है। यही वजह है कि हमास के लड़ाके इजरायल से समझौता करना चाहते हैं। अब हमास की तरफ से इजरायल के सामने समझौते के लिए एक डील रखी गई है। इस डील के तहत हमास के कब्जे में मौजूद सभी इजरायली नागरिकों को मुक्त कर दिया जाएगा। बदले में हमास युद्धविराम के साथ–साथ इजरायल के कब्जे में मौजूद हमास के लोगों को छुड़ाना चाहता है। वहीं, अब इजराइल ने कहा कि उसका जासूस प्रमुख गाजा युद्ध विराम वार्ता में भाग लेगा तथा हमास ने युद्ध विराम होने पर लड़ाई बंद करने की कसम खाई है।

एक वर्ष से चल रहे युद्ध को रोकने के लिए पहले किए गए प्रयास विफल रहे हैं, हालांकि संयुक्त राज्य अमेरिका ने आशा व्यक्त की है कि पिछले सप्ताह हमास नेता याह्या सिनवार की हत्या समझौते के लिए रास्ता खोल सकती है। इजरायली सूत्रों के मुताबिक बीते साल 7 अक्टूबर को हुए हमास के हमले में 251 लोगों को बंधक बनाया गया था, जिनमें से 97 अभी भी गाजा में ही हैं। इजरायली सेना का मानना है कि 34 लोगों को हमास मौत के घाट उतार चुका है।

हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एएफपी को बताया कि उन्होंने मिस्र के अधिकारियों से कहा है कि यदि इजरायल युद्ध विराम समझौते के लिए राजी होता है तो वे गाजा में लड़ाई रोकने के लिए तैयार हैं। बताया गया कि हमास के प्रतिनिधिमंडल ने मिस्त्र की राजधानी काहिरा में अधिकारियों के साथ गाजा युद्ध विराम से संबंधित मसौदे पर चर्चा की। हमास ने लड़ाई रोकने में खुद इंट्रस्ट ले रहा है, लेकिन ऐसा तभी होगा जब इजरायल युद्ध विराम के लिए तैयार हो। हमास ने मिस्त्र से कहा है कि इजरायल को गाजा पट्टी से हटना चाहिए। वहां मौजूद विस्थापित लोगों की वापसी की अनुमति उसे देनी चाहिए। इसके साथ ही गाजा में मानवीय सहायता के प्रवेश की अनुमति देनी चाहिए।

बताया गया कि काहिरा में हुई वार्ता मिस्र के युद्ध विराम वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि वह गाजा में आतंकवादियों द्वारा अभी भी बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई के लिए मिस्र द्वारा समझौते पर पहुंचने के फैसले का स्वागत करते हैं।

भगोड़े जाकिर नाइक का पाकिस्तान में विरोध

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज लाहौर। भगोड़े जाकिर नाइक की टिप्पणियों को लेकर पाकिस्तान में विरोध शुरू हो गया है। बिशप डॉ. आजाद मार्शल ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को लिखे पत्र में जाकिर नाइक की यात्रा के दौरान ईसाई समुदाय और उनकी आस्था के बारे में की गई टिप्पणियों का विरोध किया है। उन्होंने सरकार द्वारा नाइक की टिप्पणियों को लेकर खेद व्यक्त न करने की भी आलोचना की। पाकिस्तान में नाइक की यात्रा पिछले सप्ताह संपन्न हुई। जाकिर नाइक ने खुलेआम ईसाई धर्म पर उठाए थे सवाल

मार्शल ने कहा है कि जाकिर नाइक के सार्वजनिक भाषणों ने ईसाई समुदाय को काफी परेशान कर दिया है, क्योंकि उसने खुले तौर पर हमारी आस्था पर सवाल उठाए, हमारे पवित्र ग्रंथों को बदनाम किया और ऐसे बयान दिए जो ईसाई पादरियों और विद्वानों की मान्यताओं को कमजोर करते हैं। उसकी टिप्पणी ने न केवल धार्मिक अपमान किया है, बल्कि सभी पाकिस्तानियों के राष्ट्रीय गौरव को भी कम किया, चाहे उनकी आस्था कुछ भी हो।

उन्होंने कहा कि जाकिर नाइक की टिप्पणियां खुले मंचों पर की गईं, जहां पादरियों और विद्वानों को उसके गलत विचारों और सूचना का उचित तरीके से जवाब देने का उचित अवसर नहीं दिया गया।

ट्रंप के समर्थन में मस्क ने पानी की तरह बहाया पैसा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अरबपति एलन मस्क अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप का खुलकर समर्थन कर रहे हैं। वे लगातार ट्रंप के समर्थन में रैलियां भी कर रहे हैं। यही वजह है कि चुनाव से पहले ट्रंप को वित्तीय मदद पहुंचाने वाले मस्क दूसरे सबसे बड़े व्यक्ति बन चुके हैं। वे अभी तक करीब 120 मिलियन डॉलर यानी 10,08,82,38,456 रुपये का दान कर चुके हैं। हालांकि मस्क ने यह दान ट्रंप को नहीं दिया है। ट्रंप के चुनाव में मदद करने वाली संस्था सुपर पीएसी को दिया है। बता दें कि फोर्ब्स ने मस्क की कुल संपत्ति +269.8 बिलियन आंकी है। मौजूदा समय में वे दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

पाकिस्तान में हुए आतंकी हमले में 10 फ्रंटियर पुलिसकर्मियों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान ने ली हमले की जिम्मेदारी

पाकिस्तान। पाकिस्तान में तालिबानियों के बढ़ते उत्पात के बीच एक बार फिर आतंकियों ने पुलिस वालों को निशाना बनाया है। शुक्रवार को अफगान सीमा के पास दस पुलिसकर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। वहीं 7 अन्य जवान घायल हो गए हैं। इस घटना की जानकारी पुलिस सूत्रों के हवाले से सामने आई है। हमले की जिम्मेदारी इस्लामी आतंकवादी समूह तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने ली है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब पाकिस्तान अपने उत्तर–पश्चिम में आतंकवादी हमलों के फिर से बढ़ने के साथ–साथ दक्षिण में जातीय अलगाववादी विद्रोह से भी जूझ रहा है। तीन वरिष्ठ पुलिस सूत्रों ने नाम ना बताने की शर्त पर हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि आतंकवादियों के एक बड़े समूह ने चौकी पर हमला किया और फ्रंटियर कांस्टेबुलरी सुरक्षा बल के सदस्यों की हत्या कर दी।

उत्तर–पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन खान गंडापुर ने शुक्रवार को एक बयान में हमले की पुष्टि की, जिसमें उन्होंने इसकी निंदा की, लेकिन मरने वालों की संख्या नहीं बताई। टीटीपी समूह ने जिम्मेदारी लेते हुए अपने बयान में कहा कि यह हमला एक वरिष्ठ नेता उस्ताद कुरैशी की हत्या का बदला था। पाकिस्तानी सेना ने एक बयान में कहा कि कुरैशी उन नौ लोगों में से एक थे, जिनकी मौत अफगानिस्तान की सीमा से लगे बाजौर जिले में खुफिया सूचना पर आधारित अभियान में हुई। इसमें दो आत्मघाती हमलावर भी शामिल थे। इस्लामाबाद का कहना है कि टीटीपी अफगानिस्तान को एक आधार के रूप में इस्तेमाल करता है और कहता है कि सत्तारूढ़ तालिबान प्रशासन ने सीमा के करीब समूह को सुरक्षित पनाहगाह प्रदान की है। तालिबान इससे इनकार करता है। अफगानिस्तान में तालिबान के 2021 में सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान में ऐसे हमलों की तादाद बढ़ती जा रही है। तालिबान के पाकिस्तानी आतंकियों ने ज्यादातर सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर हमले किए हैं।

ब्रिक्स की मजबूती से बढ़ेगी पुतिन की ताकत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कजान। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए पश्चिम के दुराग्रही तरीकों के प्रति संतुलन के रूप में ब्रिक्स की भूमिका की प्रशंसा की। कजान में संपन्न तीन दिवसीय सम्मेलन यह साबित करता है कि ब्रिक्स की मजबूती पुतिन की ताकत बढ़ाएगी। इसमें पश्चिमी प्रभुत्व वाली भुगतान प्रणालियों के विकल्पों को विकसित करने, संघर्षों के खात्मे के प्रयास, वित्तीय सहयोग और ब्रिक्स देशों के समूह का विस्तार करने जैसे मुद्दे शामिल हैं। पुतिन ने वैश्विक दक्षिण की बढ़ती शक्ति को रोकने के लिए पश्चिम पर अवैध एकतरफा प्रतिबंधों, अति संरक्षणवाद, मुद्रा एवं शेयर बाजार में हेरफेर की कोशिश के आरोप के साथ कहा कि लगातार विदेशी प्रभाव स्पष्ट रूप से लोकतंत्र, मानवाधिकार और जलवायु परिवर्तन के एजेंडा को बढ़ावा दे रहे हैं।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

पशु क्रूरता की शिकायतों पर पुलिस को तुरन्त कार्यवाही करने के निर्देश

उत्तराखण्ड गो सेवा आयोग के अध्यक्ष ने की जनपदीय निराश्रित गोवंश समिति की बैठक

बैठक

संवाददाता

चमोली। उत्तराखण्ड गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र अंथवाल ने शुक्रवार को क्लेक्ट्रेट सभागार में जनपदीय निराश्रित गोवंश समिति की बैठक ली। बैठक में जनपद में संचालित, निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित गौशालाओं की प्रगति, गौवंश की ईयर टेगिंग, सड़कों पर विचरण करने वाले गौवंश के गले में रेडियम बेल्ट लगाए जाने तथा गौवंश के प्रति अपराध रोकने हेतु पुलिस द्वारा की जा रही कार्यवाही के संबंध में चर्चा की गई।

गो सेवा आयोग के अध्यक्ष ने सभी नगर निकायों तथा जिला पंचायत को गोशालाओं के निर्माण पर तेजी लाने, सड़क पर विचरण करने वाले गौवंश के गले पर रेडियम बैल्ट लगाने तथा पशु क्रूरता की शिकायतों पर पुलिस को तुरन्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कहा कि सरकार कानून बनाने जा रही है जिसमें पशुओं को छोडने वालों पर अर्थदण्ड के साथ सजा का प्रावधान किया जाएगा। कहा कि अभी केवल 2 हजार का जुर्माना लगाया जाता है।

गौशाला निर्माण में जिला पंचायत स्तर पर कम काम को लेकर जिला पंचायत अधिकारी को हर ब्लॉक में आने वाले 25 वर्षो के हिसाब से गौशाला निर्माण करने को कहा। जो निर्माणाधीन गौशालाएं हैं उनका लोकार्पण किया जाएगा। जहां संस्थाएं चयनित नहीं की गयी हैं वहां संस्थाए चयनित की जाएं। जिससे गौशालाएं उनके सुर्पुद की जा सके और गोवंश को सुचारू रूप से सुविधा मिल सके। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने गो ग्राम सेवक योजना बनायी गयी है जिसमें पांच नन्दी पालने पर पशुपालक को प्रतिमाह 12 हजार रूपये मिलेंगे। इसके लिए पशुपालक को पशुपालन विभाग में पंजीकरण कराना होगा। मुख्य विकास अधिकारी नन्दन कुमार ने सभी एसडीएम को ईओ के माध्यम से निराश्रित गोवंश को रेडियम बेल्ट लगाने की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में वरिष्ठ पशुचिकित्साधिकारी पुनीत भट्ट ने बताया कि पशु कल्याण बोर्ड द्वारा जनपद में 3 गौ सदन बनाए गए हैं जिनको वित्तीय वर्ष 2024–25 में शासन द्वारा 23.13 लाख अनुदान दिया गया है। उन्होंने बताया कि ज्योर्तिमठ, गोपेश्वर, गौचर में गौशालाओं का निर्माण हो चुका है पीपलकोटी, पोखरी में कार्य प्रगति पर है और कर्णप्रयाग में टेंडर की प्रक्रिया गतिमान व थराली का प्रस्ताव शहरी विकास को भेजा जा चुका है।

इस दौरान परियोजना निदेशक आनंद सिंह, सीवीओ असीम देव सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

सिंगल यूज प्लास्टिक पर जुर्माने की जा रही है कार्यवाही

संवाददाता रुद्रप्रयाग। श्री केदारनाथ धाम में पहुंच रहे श्रद्धालुओं को स्वच्छ व साफ वातावरण उपलब्ध हो सके इसके लिए जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने संबंधित अधिकारियों को केदारनाथ धाम में निरंतर व बेहतर साफ–सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत केदारनाथ नीरज कुमार ने अवगत कराया है कि श्री केदारनाथ धाम की यात्रा अपने अंतिम चरण में है। उन्होंने बताया कि संज्ञान में आया कि कतिपय व्यापारियों द्वारा उनके प्रतिष्ठानों से उत्पन्न कूड़े को खुले में जलाया जा रहा है। उन्होंने केदारनाथ धाम की यात्रा अंतिम चरण में होने के कारण दुकानदारों द्वारा अपनी–अपनी दुकानों की साफ–सफाई के दौरान उत्पन्न कूड़े को एकत्रित कर खुले में न जलाने की अपील की है।

जयंत चौधरी ने वर्ल्डस्किल्स 2024 के विजेताओं को किया सम्मानित

संवाददाता देहरादून। जयंत चौधरी, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय तथा राज्य मंत्री, शिक्षा मंत्रालय ने आज वर्ल्डस्किल्स 2024 प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया, जिसका आयोजन हाल ही में फ्रांस के ल्योन में किया गया था। उन्होंने आठ पैरालम्पिक विजेताओं (प्रवीण कुमार, अजीत सिंह यादव, शरद कुमार, प्रणव सूरमा, सिमरन शर्मा, रूबीना फ्रैंकिस, राकेश कुमार, प्रीथि पाल) को भी सम्मानित किया, जो 19 वर्ल्डस्किल्स विजेताओं के सम्मान समारोह में मौजूद रहे और सख्त विश्वस्तरीय मानकों पर खरे उतरते हुए विजयी हुए। ''वर्ल्डस्किल्स ल्योन 2024 की भारतीय टीम के पदक एवं उत्कृष्टता पदक विजेताओं से बात करके बहुत अच्छा लगा। इन सभी खिलाड़ियों ने जबरदस्त आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया और देश के लिए प्रेरणास्रोत बन गए हैं।

लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन द्वारा हिंदुस्तान जिंक की सिल्वर रिफाइनरी पुनः प्रमाणित

संवाददाता पंतनगर । वैश्विक स्तर पर चल रही चांदी की कीमतों में तेजी के बीच, भारत की सबसे बड़ी और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी चांदी उत्पादक, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड को प्रतिष्ठित लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन, एलबीएमए से कंपनी के पंतनगर मेटल प्लांट के लिए रेस्पोन्सिबल सिल्वर गाइडेंस का नवीनीकृत प्रमाणन प्राप्त हुआ है। यह प्रमाणन 99.99 प्रतिशत शुद्ध चांदी के उत्पादन और कच्चे माल की रेस्पोन्सिबल सोर्सिंग सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के प्रति कंपनी की निष्ठा की पहचान है। इस उपलब्धि के साथ ही हिंदुस्तान जिंक एलबीएमए की गुड डिलीवरी लिस्ट द्वारा मान्यता प्राप्त 80 वैश्विक सिल्वर रिफाइनर की विशेष सूची में शामिल हो गया है।

संयुक्त चेकिंग अभियान में 54 वाहन हुआ चालान

संवाददाता चमोली। चारधाम यात्रा और त्योहारी सीजन में सुरक्षित यातायात के लिए जिलाधिकारी संदीप तिवारी के निर्देश पर एसडीएम एसके पांडेय और आरटीओ ज्योति शंकर मिश्र ने शुक्रवार को चमोली से विरही के बीच हाईवे पर वाहनों का संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 54 वाहनों के चालान किए गए।

सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी ज्योति शंकर मिश्र ने बताया कि बदरीनाथ यात्रा पर इन दिनों हजारों श्रद्धालु पहुंच रहे है। जिससे हाईवे पर ट्रैफिक बढ़ गया है। चारधाम यात्रा और त्योहारी सीजन में सुरक्षित यातायात संचालन के लिए जिलाधिकारी ने हाईवे पर वाहनों का संयुक्त निरीक्षण करने के निर्देश दिए है। ताकि कोई भी अप्रिय घटना न हो। जिलाधिकारी के निर्देशों पर शुक्रवार को एसडीएम और आरटीओ की टीम ने चमोली से विरही तक वाहनों की सघन चेकिंग की। इस दौरान ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 54 वाहनों का मौके पर चालान किया गया। जिसमें ओवर स्पीड के 24, प्रेशर हॉन का 01, ओवर लोडिंग 01, फस्ट एड 09, यूनिफार्म 09, ट्रिप कार्ड 06, रिफ्लेक्टर 04, बैकडोर ओपन 01 आदि मामलों के चालान शामिल है। साथ ही 24 वाहन स्वामियों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किए गए। इस दौरान यात्री वाहन चालकों को सुरक्षित यातायात संबधी जरूरी निर्देश भी दिए गए।

संयुक्त निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी चमोली राजकुमार पांडेय, एआरटीओ ज्योति शंकर मिश्र सहित तहसील और परिवहन विभाग के कार्मिक मौजूद थे।

कार्मिकों को दिए जा रहे प्रशिक्षण का जिला निर्वाचन अधिकारी ने लिया जायजा

संवाददाता रुद्रप्रयाग। आगामी 07–केदारनाथ विधान सभा उप निर्वाचन 2024 को निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं शांतिपूर्वक ढंग से संपादित कराने के लिए कार्मिकों को उपलब्ध कराए जा रहे प्रशिक्षण का जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ गहरवार ने आज राजकीय महाविद्यालय अगस्त्यमुनि में पहुंचकर उपलब्ध कराए जा रहे प्रशिक्षण का जायजा लिया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने उपस्थित कार्मिकों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि सभी कार्मिक निर्वाचन प्रक्रिया संपादित कराने में दक्ष हैं। जिन्होंने विगत लोक सभा निर्वाचन को सकुशल एवं सफलता से संपादित कराया गया है। इसी तरह इस उप निर्वाचन को भी निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने में अपना पूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने सभी कार्मिकों से अपेक्षा की है कि उन्हें जो प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है उसे शांत मन एवं संवेदनशीलता के साथ प्राप्त करें।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की पोलिंग बूथों पर सभी आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। 07–केदारनाथ विधान सभा उप निर्वाचन को पारदर्शिता, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपादन कराने के लिए की जा रही व्यवस्थाओं एवं तैयारियों का जायजा लेते हुए उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी मुक्ता मिश्रा ने नोडल अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा की तथा परस्पर संवाद एवं समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने निर्वाचन कंट्रोल रूम एवं एमसीएमसी कक्ष का भी निरीक्षण किया।

एनआईसी सभागार में उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी मुक्ता मिश्रा ने 07–केदारनाथ विधान सभा उप निर्वाचन के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों की बैठक लेते हुए चुनाव की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का नोडलवार जायजा

निर्वाचन कंट्रोल रूम एवं एमसीएमसी कक्ष का किया निरीक्षण

लिया तथा जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने समीक्षा करते हुए पुलिस बल की तैनाती एवं आवश्यकताओं पर पुलिस उपाधीक्षक से रिपोर्ट मांगी। पोलिंग बूथों पर सभी आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने जल संस्थान के अधिकारियों से कहा कि पेयजल आपूर्ति का कोई समस्या न रहे इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने अपने भ्रमण के दौरान शेरसी पोलिंग बूथ पर पेयजल आपूर्ति न होने की स्थिति से नोडल अधिकारी को अवगत कराते हुए स्थलीय भ्रमण करने को कहा। आबकारी विभाग से फीड बैक लेते हुए अब तक की गई कार्यवाही की जानकारी जुटाई। समीक्षा के दौरान स्ट्रांग रूम की वैरिकेटिंग, मोटर मार्गों की स्थिति, सभी पोलिंग बूथों पर नेटवर्क कनेक्टिविटी, वाहनों की उपलब्धता एवं संबंधित नोडल अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

उन्होंने निर्वाचन कंट्रोल रूम एवं 1950 पर अब तक दर्ज शिकायतों के निस्तारण की भी समीक्षा की। साथ ही होम वोटिंग की तैयारियों पर संबंधित नोडल अधिकारी से जानकारी मांगी। उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों से परस्पर समन्वय से कार्य करने को कहा। उन्होंने निर्वाचन कंट्रोल रूम पहुंचकर शिकायत पंजिका का अवलोकन किया। साथ ही मॉनिटरिंग कक्ष का निरीक्षण करते हुए दैनिक प्रेषित सूचनाओं एवं कार्मिकों की उपस्थिति का भी फीडबैक लिया।

पुलिस कप्तान ने किया सिटी कोतवाली का निरीक्षण

संवाददाता हरिद्वार। पुलिस कप्तान प्रमेन्द्र डोबाल अपनी टीम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शुक्रवार को शहर कोतवाली पहुंचे जहां उन्होंने थाने की साफ–सफाई व्यवस्था सहित कोतवाली में उपलब्ध कराये गए अस्लाह, एम्यूनेशन, दंगा नियंत्रण यंत्रों की वर्तमान स्थिति जांच कर प्रभारी निरीक्षक व हेड मोहर्रीर को अस्लाह की नियमित सफाई करने एंव साथ ही थाने पर नियुक्त कर्मचारियों को रोटेशन के अनुसार समय–समय पर शास्त्र अभ्यास हेतु पुलिस लाइन भेजने हेतु निर्देशित किया गया। शस्त्र अभ्यास के दौरान उपनिरीक्षक सतेन्द्र भण्ड़ारी एंव कांस्टेबल भूपेन्द्र गिरी द्वारा उच्च कोटी का प्रदर्शन करने पर ईनाम देने हेतु कहा गया। पुलिस कप्तान द्वारा भोजन की अच्छी गुणवत्ता पर थाने की प्रशंसा की व भविष्य में यह व्यवस्था बनाये रखने को कहा।

युनूस का पुराना रुख

बांग्लादेश में सरकार के मुख्य कर्ताधर्ता मोहम्मद यूनुस शुरुआती अस्थिरता से उबर चुके हैं। सत्ता पर उनकी पकड़ काफी हद तक बन चुकी है। ऐसी स्थिति में यूनुस और उनके सहयोगियों को शासन और कूटनीति से जुड़े गंभीर मसलों पर परिपक्वता दिखानी होगी।

अनुज श्रीवास्तव।।

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा के पंडाल पर हमले और मंदिर से चोरी की खबरों ने एक बार फिर वहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के मसले को केंद्र में ला दिया है। भारत ने ठीक ही इन घटनाओं को बेहद गंभीर बताते हुए इन पर न केवल चिंता जताई बल्कि अपनी आपत्ति भी दर्ज कराई। गौर करने की बात है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का यह मसला धीरे–धीरे दोनों देशों के रिश्ते का एक अहम फैक्टर बनता जा रहा है।

पिछले अगस्त महीने में छात्र आंदोलन के बेकाबू होने और फिर सत्ता परिवर्तन का कारण बनने के बाद बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की घटनाएं हुईं। तब नई सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने हालांकि इन हमलों को रोके जाने का आह्वान किया, लेकिन यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया में इन घटनाओं को बढ़ा–चढ़ाकर दिखाया जा रहा है। उनका यही रुख अब तक बना हुआ है।

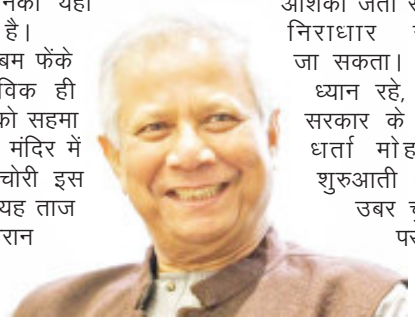

दुर्गापूजा के पंडाल में बम फेंके जाने की खबर स्वाभाविक ही बांग्लादेशी हिंदू बिरादरी को सहमा देने वाली है। जेशोरेश्वरी मंदिर में मां काली के ताज की चोरी इस मायने में भी अहम है कि यह ताज 2021 में अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तोहफे के तौर पर दिया था। यही नहीं, गुरुवार को चटगांव में दुर्गापूजा के दौरान कुछ लोगों द्वारा जबरन इस्लामी क्रांति के गीत गाए जाने की भी खबर आई। पूरे देश में इस तरह की 35 अप्रिय घटनाएं दर्ज हुई हैं। ऐसे में भारत अगर इन घटनाओं के पीछे सुनियोजित साजिश की आशंका जता रहा है तो उसे निराधार नहीं कहा जा सकता।

ध्यान रहे, बांग्लादेश में सरकार के मुख्य कर्ता–धर्ता मोहम्मद यूनुस शुरुआती अस्थिरता से उबर चुके हैं। सत्ता पर उनकी पकड़ काफी हद तक बन चुकी है। इसका अंदाजा इस बात से भी होता है कि जल्द से जल्द चुनाव का वादा करते हुए सत्ता संभालने वाले यूनुस अब कहने लगे हैं कि सुधार का अजेंडा पूरा होने से पहले चुनाव नहीं होंगे।

ऐसी स्थिति में यूनुस और उनके सहयोगियों को शासन और कूटनीति से जुड़े गंभीर मसलों पर परिपक्वता दिखानी होगी। आंदोलन से जुड़े गैर जिम्मेदार तत्व अनाप–शनाप आरोप लगाएं तो कुछ हद तक समझा जा सकता है लेकिन अगर शासन में बैठे लोग भी इन तत्वों का समर्थन करते हुए दिखें तो उसे सही नहीं कहा जा सकता। वक्त आ गया है कि बांग्लादेश की सरकार जहां–तहां हमले करने और ऊलजलूल बयान देने वाले ऐसे तत्वों को काबू करते हुए यह संदेश दे कि वहां हालात सरकार के नियंत्रण में है और अराजकता का राज नहीं है।

धार्मिक कहानी

अशोक वोहरा। यमराजा आजाद होते ही वह बहुत गुस्से में ऐसा और लोहार को पकड़ा और ऊपर ले कर चला गया। उसके बाद धीरे–धीरे पूरी दुनिया में सभी की मृत्यु होने लगी थी और फिर दुनिया सामान्य हो गए थे।

इस धार्मिक कहानी में हमें यह सीख मिलती है कि हमें सभी को मौत का मजा तो लेना ही है मौत से कोई भाग नहीं सकता है। किसी की मृत्यु कभी भी किसी भी वक्त हो सकती इसलिए कोई भी ज्यादा अपने घमंड को बढ़ावा ना करें और मनुष्य मनुष्य के काम आने का प्रबंध करें। आप सभी को इस धार्मिक कहानी में कुछ ना कुछ सीखने के लिए जरूर मिला होगा। उम्मीद है कि धार्मिक कहानियां आप सभी लोगों को काफी ज्यादा पसंद आई होगी।

संपादकीय

विकास की चर्चा

पीएम मोदी ने दावा किया कि भारत में पिछले एक दशक में बुनियादी ढांचे को बनाने–संवारने में इतना काम हुआ, जितना पहले कभी नहीं हुआ था। उन्होंने अमेरिका और भारत के बीच विभिन्न स्तरों पर साझेदारी बढ़ाए जाने की अपील करते हुए कहा कि इस समय भारत में निवेश का स्वर्णिम अवसर है। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने भारतीय विविधता में एकता से लेकर अमेरिका में हुए टी–20 विश्व कप में भारतीय योगदान तक की चर्चा की। पीएम मोदी ने सहज, सरल भाषा में बात की और उन लोगों से जुड़ाव बना पाए जो देश से हजारों मील दूर रहकर भी देश को याद करते रहते हैं। 'फ्रीडम ऑफ स्पीच' और 'मीडिया की आजादी' पर भी वह बोले। उन्होंने कहा कि भारत ने टेलिकॉम में 5जी से बढ़कर 6जी में कदम बढ़ाए हैं। इस क्षेत्र में हिंदुस्तान अब आयातक नहीं, निर्यातक की भूमिका में है।

समय भारत–अमेरिका की विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी, सामरिक क्षेत्र में भागीदारी और आर्थिक क्षेत्र में हिस्सेदारी पर बाइडन के सहयोग की सराहना की

युद्ध पर चिंता

ललित मोहन बंसल।।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा ऐसे समय हुई है, जब विश्व संकट के दौर में है। रूस–यूक्रेन युद्ध खत्म होता नहीं दिख रहा, जबकि इस्राइल–गाजा संघर्ष भी दूसरे इलाकों में फैलने को तैयार है। उधर, आर्थिक और राजनीतिक संकट में उलझा पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद से निपट नहीं पा रहा। ऐसे समय में पीएम मोदी ने एक बार फिर फन।क देशों के शिखर सम्मेलन में रूस–यूक्रेन और इस्राइल–गाजा युद्ध पर अपनी चिंता दोहराई। उन्होंने कहा, यह 'युद्ध नहीं, शांति का युग है' और 'विश्व बंधुत्व' से ही शांति का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। मोदी ने यही संदेश पिछले दिनों रूस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन को सीधे तौर पर दिया था।

क्वाड के संयुक्त घोषणापत्र में दुनिया में जारी दोनों युद्धों पर चिंता व्यक्त की गई। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के अंतिम वर्ष में क्वाड के चौथे समिट में पहली बार बड़े स्तर पर प्रशांत हिंद महासागर के देशों में शिक्षा, चिकित्सा, सौर ऊर्जा के साथ पोर्ट सुरक्षा और दूसरे मुद्दों की सुध ली गई। संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद के विस्तार पर अमेरिका ने सहमति जताई है। परिषद में नॉन–वीटो पावर के साथ तीन नए स्थायी सदस्यों– भारत, जापान और जर्मनी की एंट्री के लिए वह प्रस्ताव रखेगा। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक शुरू हुई थी।

बाइडन ने भारतीय प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने रात्रि भोजन के समय मोदी के हिंदी में दिए गए संबोधन के अंग्रेजी अनुवाद को ध्यान से सुना। इस दौरान बाइडन की बॉडी लैंग्वेज को देखकर इन दोनों नेताओं की प्रगाढ़ मित्रता का सहज अनुमान कोई भी लगा सकता था। पीएम मोदी ने रात्रि भोज के समय भारत–अमेरिका की विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी, सामरिक क्षेत्र में भागीदारी और आर्थिक क्षेत्र में हिस्सेदारी पर बाइडन के सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि बाइडन के कार्यकाल में लोकतांत्रिक मूल्यों पर जिस तरह एक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी निभाई गई, वह बेमिसाल है। तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन न्यू यॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में आयोजित अभिनंदन समारोह में पीएम मोदी ने अपने पिछले दो कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाईं। इस बात को रेखांकित किया गया कि तीसरी बार सत्ता हासिल करने का सीधा मतलब यह है कि भारतीय जनसमूह का उनकी सरकार की उपलब्धियों और उनके प्रति अगाध विश्वास रहा है। प्रधानमंत्री ने छोटे–छोटे शहरों में पहुंच रही डिजिटल बैंकिंग, शिक्षा और चिकित्सा के विस्तार, पर्यावरण संतुलन, नासा की मदद से अंतरिक्ष में एस्ट्रोनॉट भेजे जाने, चंद्रयान और मंगलयान की अनूठी उपलब्धियों की चर्चा की। पीएम मोदी ने जब यह कहा कि भारत में पिछले अरसे में हुए बदलाव से झोली भर–भरकर निवेश आया है, गूगल ने एआई और विश्व भाषाओं के रूपांतरण में एक नए बदलाव की पहल की है, तो वहां मौजूद लोगों की प्रतिक्रिया देखने लायक थी।

समारोह में देखने वाली बात यह थी कि अभिनंदन समारोह को एक उत्सव के रूप में मनाया गया। लोगों ने सभागार में एंट्री के लिए घंटों इंतजार किया। बहुत से लोग कार्यक्रम स्थल तक पहुंच ही नहीं पाए। पीएम मोदी ने अफसोस जताया कि यह सभागार (15 हजार क्षमता) भले ही छोटा पड़ गया, पर अपनी अगली अमेरिका यात्रा में वह किसी भारतीय को निराश नहीं करेंगे।

सूडोकु नवताल-5319

मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5318 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

अपना ब्लॉग

उत्तराखंड का कोना कोना नापा

मोहन। पुरानी कहावत है कि 'पहाड़ का पानी और पहाड़ की जवानी कभी पहाड़ के काम नहीं आती', पर कुछ युवा अपने जुनून और मेहनत से इस मिथक को तोड़ रहे हैं। उत्तराखंड में पैदा उपज हो या यहां की संस्कृति में रची–बसी चीजें, इन्हें देश और दुनिया में पहुंचाकर पहाड़ी उत्पादों का बाजार तैयार करने और किसानों के हाथ मजबूत करने का काम कर रहे हैं दीपक ध्यानी। 45 साल के दीपक पेशे से टेलिकॉम इंजिनियर रहे और सत्तर से ज्यादा देशों में जाकर काम कर चुके हैं। अपने देश के लिए काम करने की ललक उन्हें स्वदेश ले आई। 2014 में वह जॉब छोड़कर परिवार सहित दुबई से भारत आए और 2017 में स्यारा रिटेल्स लॉन्च किया। दीपक ध्यानी बताते हैं, हम 'स्यारा बटै त्यारा घौर' (खेत से सीधे घर तक) की फिलॉसफी पर काम करते हैं। यही वजह है कि हमने अपनी कंपनी का नाम भी स्यारा रिटेल्स रखा है। काम शुरू करना आसान नहीं था। उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ आदि कई जगहों पर कोऑपरेटिव बनाए और 2019 तक सप्लाई चेन खड़ी की। 2020 में डिलिवरी कुरियर पर शुरू की।

सूर्या गारमेंट फैक्ट्री में 1,200 रुपये की सैलरी पर कर रहे थे काम

साउथ सिनेमा के स्टार सूर्या के फिल्मों में आने की वजह फाइनैंशियल दिक्कतें थीं। कहते हैं कि सूर्या का फिल्मों में आना उनका कोई प्लान का हिस्सा नहीं था। हालांकि सूर्या एक्टर शिवकुमार के बेटे हैं, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि उन्होंने एक्सपीरियंस पाने के लिए एक कपड़ा फैक्ट्री में काम किया। दरअसल, वो अपनी खुद की फैक्ट्री शुरू करना चाहते थे। हालांकि, उन्हें तब तक अपने परिवार के हालात के बारे में कुछ भी नहीं पता था। कहते हैं कि घर की आर्थिक तंगी की वजह से वो कैमरे के सामने आ गए। इसके बाद फिर उन्होंने कभी मुड़कर नहीं देखा। एक्टर ने याद करते हुए कहा, घर पर कुछ दिक्कतें शुरू हो गई थी। एक दिन, मुझे नाश्ता देते समय मेरी मां ने मुझसे कहा– मैंने 25,000 रुपये उधार लिए हैं और तुम्हारे पापा को पता नहीं है। मैं काफी हैरान था। मैंने कहा– मां, आप क्या कह रही हैं? पिताजी एक एक्टर हैं। आप 25,000 रुपये उधार नहीं ले सकते। हमारी सेविंग्स के पैसों का क्या हुआ? हमारा बैंक बैलेंस कितना है? उन्होंने कहा– वो कभी भी एक लाख से अधिक नहीं रहा। मैंने अपनी मां को 25,000 रुपये जैसी छोटी रकम लौटेन के लिए मशक्कत करते हुए देखा तो मुझे बहुत दुख हुआ। मैंने मन में सोचा– मैं क्या कर रहा हूं?

काजल राघवानी संग झगड़े पर खेसारी लाल यादव के बेबाक बोल

खेसारी लाल यादव और काजल राघवानी की जोड़ी कभी भोजपुरी की सुपरहिट जोड़ी थी। दोनों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया, जो ब्लॉकबस्टर रहीं। खेसारी और काजल के अफेयर के भी खूब चर्चे थे, पर बाद में दोनों ने न सिर्फ रिश्ता तोड़ लिया, बल्कि साथ काम करना भी बंद कर दिया। कुछ समय पहले खेसारी ने काजल राघवानी संग झगड़े और ब्रेकअप पर चुप्पी तोड़ी थी। उनके बेबाक बोल अब तक चर्चा में हैं। खेसारी ने कहा था कि उन्हें छूने के लिए औकात चाहिए। वह न तो इनसिक्योर हैं और ना ही अपना सम्मान नीलाम करवाते नहीं फिरते हैं। खेसारी लाल यादव और काजल राघवानी के बीच तगड़ा विवाद हुआ था। कुछ साल पहले दोनों ने एक–दूसरे पर आरोप लगाए थे। लेकिन काजल के साथ झगड़ा क्यों हुआ था? इस बारे में खेसारी ने शुभांकर मिश्रा को दिए इंटरव्यू में कहा था, ब्रेकअप की बात नहीं है। उन्हें भी लगा कि मुझे भी काम करना चाहिए हर जगह। एक टाइम पर हम लगातार अच्छी–अच्छी फिल्में कर रहे थे, तो हमारी जोड़ी पसंद भी आ रही थी। खेसारी ने आगे कहा, श्काजल बहुत अच्छी एक्ट्रेस और डांसर हैं। उनकी पर्सनैलिटी और नेचर बहुत अच्छा है।

ये रिश्ता की दादीसा को देख नई–नवेली लड़कियां भी शरमा जाए

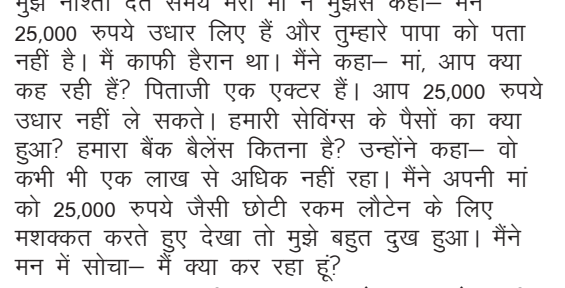

एक्ट्रेस अनीता राज को कई हिंदी फिल्मों और टेलीविजन शोज में देखा गया है। फिलहाल वह स्टार प्लस पर श्ये रिश्ता क्या कहलाता हैश में नजर आ रही हैं। उन्हें न केवल उनके करियर ऑप्शन के लिए बल्कि उनकी फिटनेस के लिए भी लोग पसंद करते हैं। वह 60 साल की हैं और कई लोगों के लिए प्रेरणा हैं। वह वर्कआउट और योग के साथ–साथ कार्डियो वर्कआउट भी करती हैं। अनीता राज फलों, सब्जियों और प्रोटीन लेने के साथ अच्छी–खासी डाइट फॉलो करती हैं। वह समय–समय पर खूब पानी भी पीती हैं और इस बात पर यकीन करती हैं कि फिटनेस की कोई उम्र नहीं होती। सोशल मीडिया पर वह अपने वर्कआउट की झलकियां शेयर करती रहती हैं। खैर, अब उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें वह पूरी लगन से वर्कआउट करती नजर आ रही हैं। वह वजन उठाती नजर आ रही हैं और उन्होंने अपने वीडियो का कैप्शन दिया, उद्देश्य के साथ उठो, शक्ति के साथ खींचो, और ताकत के साथ उठो। अनीता इंस्टाग्राम और कई सोशल मीडिया साइटों पर अपने एक्सरसाइज और फिटनेस के वीडियोज पोस्ट करती हैं और फैस को मोटिवेट करती हैं।

पंकज त्रिपाठी की मां अपनी बहू को नहीं मानती परिवार का हिस्सा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

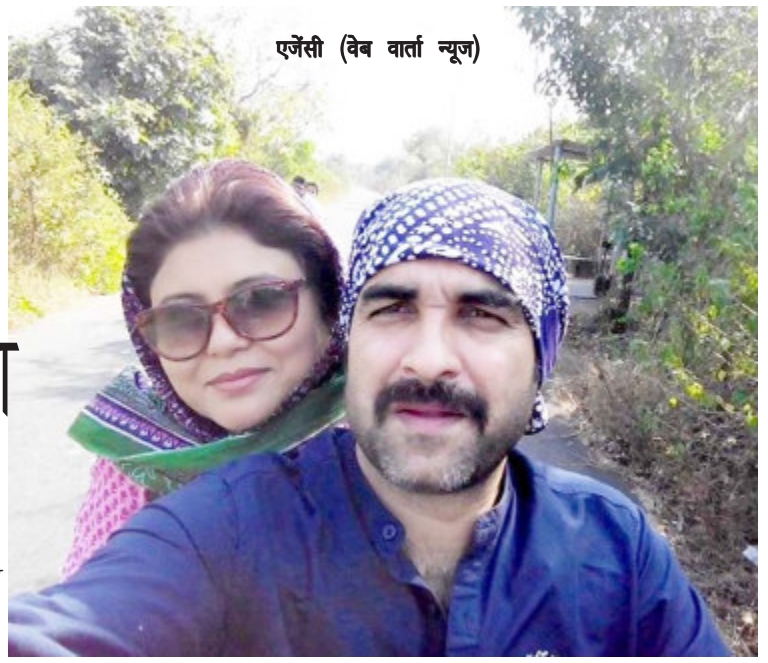

मिर्जापुर के कालीन भैया उर्फ पंकज त्रिपाठी पर्दे पर जितना भौकाल काटते हों। लेकिन असल जिंदगी में वह पक्के फैमिली मैन हैं। उनकी पत्नी का नाम मृदुल है। जिन्होंने एक्टर से शादी करने के लिए कई मुश्किलों का सामना किया था। उनकी ये लव मैरिज थी, और उसके लिए उन्हें अपने माता–पिता को राजी करना था। हालांकि मम्मी–पापा तो राजी हो गए। लेकिन वह ऊंचे कुल के परिवार से आने कारण आज भी ससुराल में सास द्वारा अस्वीकार्य हैं। उन्होंने बताया कि पंकज की मां ने उन्हें आज तक स्वीकार नहीं किया है।

शादी के 18 साल बाद छलका दर्द

मृदुला ने बताया कि उन्होंने पंकज त्रिपाठी को भाई–बहनों के प्री–वेडिंग फंक्शन में देखा था। वहीं उन्हें वह पसंद आए और फिर दोनों ने समय बिताना शुरू कर दिया था। उस वक्त वह 9वीं क्लास में थीं और 11वीं क्लास में थे। तभी प्यार शुरू हो गया था लेकिन परिवार से छिपाना पड़ा था। क्योंकि उनकी संस्कृति में एक लड़के और लड़की का एक–दूसरे से बात करना या एक–दूसरे को देखना भी बुरा माना जाता था।

मृदुला की मां ने पंकज को भैया कहने को कहा

मृदुला ने बताया कि उनकी मां को शक हो गया था इसलिए, उन्होंने उनसे पंकज को श्भैयाश कहकर बुलाने को कहा था। एक्ट्रेस ने बताया, श्मैं उसे इस तरह से नहीं बुला सकती थी, इसलिए कुछ समय के लिए, मैंने उसे पंकज जी कहना शुरू कर दिया। लेकिन यह भी अजीब लगा, इसलिए मैंने सिर्फ श्जीश कहना शुरू कर दिया।

पंकज त्रिपाठी की पत्नी के परिवार का रिएक्शन

मृदुला ने कहा कि अब वह एक्टर को श्पतिश बुलाती हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि उनका रिश्ता अभी–भी अपनाया नहीं गया है। हमारा खून वाला रिश्ता नहीं है। लेकिन हमारी संस्कृति में, एक महिला का नीचे स्तर के परिवार में शादी करना अस्वीकार्य है। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि उन्होंने जब पंकज के साथ रिश्ते वाली बात पिता को बताई तो वह हैरान रह गए थे। मां और भाभी को बताना तो मुश्किल ही था। वह उन्हें बताने में डर रही थीं क्योंकि वह बात नहीं समझते।

पंकज त्रिपाठी के ससुर हो गए थे हैरान

मृदुला ने उस दिन को याद किया, जब उन्होंने अपने पापा को अफेयर के बारे में बताया था, एक सुबह मैंने अपने पिता को बताया, जिन्होंने इस खबर पर सबसे हैरानी से रिएक्ट किया। वह बोले– तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? मैंने लड़कों की तलाश में समय बर्बाद नहीं करता। हालांकि पिता ने मृदुला से कहा कि अभी वह उन्हें ही आगे बात करने दें और अभी शांत रहें।

पंकज त्रिपाठी की सास खुश नहीं थीं

श्फिर पिता ने मुझसे से कहा कि पंकज को फोन करके बोलो कि वह तुम्हारा हाथ मांगे।श एक्ट्रेस के पिता ने मां को यह खबर दी। बताया कि पंकज को वह पसंद करती हैं। इसके बाद तो तहलका मच गया। श्भाभी खुश नहीं थीं, मां खुश नहीं थीं। उन्हें इस बात की चिंता थी कि वह मेरा ख्याल कैसे रखेगा। लेकिन धीरे–धीरे, वो हमें अपनाने लगे।

पंकज त्रिपाठी की मां ने बहू को नहीं अपनाया

मृदुला ने कहा कि आखिरकार, दोनों परिवार शादी में शामिल हुए, लेकिन आज तक, उनकी सास को जो हुआ वह मंजूर नहीं है। मेरी सास ने आज तक मुझे स्वीकार नहीं किया है, उन कारणों से जो मैंने पहले बताए थे। वह अभी भी इस रिश्ते से परेशान हैं। लेकिन अब हम इसके बारे में क्या कर सकते हैं? बता दें कि एक्ट्रेस के भाई से एक्टर की बहन ने शादी की थी। इस कारण रिश्तेदारी हुई और इस कारण भी पंकज की मां रिश्ते को स्वीकार नहीं कर रही हैं।

फिर शुरू हो रहा सीआईडी,पहली झलक में देखकर ही दीवाने हुए फैन्स

टीवी के धमाकेदार शो सीआईडी की वापसी हो रही है। इसके प्रोमो की झलक 26 अक्टूबर को देखने को मिलेगी। शो में एसीपी प्रद्युमन और इंस्पेक्टर दया नजर आएंगे। बता दें कि इंस्पेक्टर फ्रेडरिक इस शो में नहीं दिखेंगे । इस शो की झलक देखकर लोगों का उत्साह अगले लेवल पर दिख रहा है।

टेलिविजन पर दर्शकों के फेवरेट शो में से एक सीआईडी को लेकर खुशखबरी है। एक बार फिर से ये शो टीवी पर दस्तक देने आ रहा है। अब शो की पहली झलक जारी की गई है जिसमें एसीपी प्रद्युमन के रोल में शिवाजी साटम अपने पूरे रौब में दिख रहे हैं। वहीं इंस्पेक्टर दया की भी धांसू झलक दिख रही हैं। इस पहली झलक के साथ ही शो के प्रोमो की जानकारी भी शेयर की गई है। इसका प्रोमो 26 अक्टूबर को आनेवाला है। इस झलक ने लोगों का उत्साह खूब बढ़ाया है।

लोगों ने कहा- हमें ये उम्मीद नहीं थी कि ये शो आएगा

अपने फेवरेट शो की वापसी को लेकर अब फैन्स सोशल मीडिया पर झूम उठे हैं। लोगों ने कहा है– मेरे बचपन का ऑलटाइम फेवरेट शो। काफी लोगों ने कहा है– सुपर डुपर एक्साइटेड। एक और ने कहा– ओह वो क्या था, क्या हुआ, कैसे हुआ, क्यों हुआ? कई लोगों ने कहा है– वॉव , हम इस शो का इंतजार कर रहे थे, लेकिन हमें ये उम्मीद नहीं थी कि ये शो आएगा। कुछ फैन्स ने कहा है– ब्लॉकबस्टर टीआरपी होगी इसकी।

इस शो में शिवाजी साटम अपने किरदार में फिर से दिखेंगे

बता दें कि साल 1998 से शुरू हुआ ये शो टेलिविजन की दुनिया के सफल शो में से एक रहा है। पूरे 21 साल तक सफलतापूर्वक चलने वाला ये शो 27 अक्टूबर, 2018 को बंद हो गया था। अब शो लंबे गैप के बाद एक बार फिर से शुरू होने जा रहा है। इस शो में शिवाजी साटम अपने किरदार को एक बार फिर से टीवी पर जीते हुए नजर आएंगे। वहीं दयानंद शेट्टी यानी इंस्पेक्टर दया भी नजर आएंगे। इस नए शो में कौन–कौन से पुराने किरदार होंगे, इसका पता प्रोमो के साथ ही चलेगा।

फ्रेडरिक का किरदार निभाने वाले दिनेश फड्निस को करेंगे मिस

यहां बता दें कि शो में इंस्पेक्टर फ्रेडरिक का किरदार निभाने वाले दिनेश फड्निस अब इस दुनिया में नहीं रहे। पिछले साल खराब स्वास्थ्य के कारण उनका निधन हो गया। दरअसल हार्ट अटैक आने के बाद दिनेश कुछ दिनों से मुंबई के अस्पताल में भर्ती थे, जिसके बाद उनके निधन की खबर आई।

शौच करते वक्त आता है खून तो हो सकते हैं कोलाइटिस के शिकार

इलाज

आपके डॉक्टर आपकी स्थिति और कोलाइटिस का प्रकार देख कर आपको कुछ दवाइयां दे सकते हैं जिनका सेवन आपको नियमित रूप से करना होगा। अगर आपका कोलाइटिस ज्यादा गंभीर नहीं है तो आप डाइट को ठीक करके ही इसका इलाज कर सकते है। आपको लो फाइबर अपनी डाइट में अधिक शामिल करना होगा और जो चीजें आसानी से पच जाएं उनका सेवन अधिक करना होगा। अगर आपकी स्थिति ज्यादा गंभीर है तो डॉक्टर कुछ प्रकार के कोलाइटिस में सर्जरी भी सुझा देते हैं। इससे आपकी ब्लीडिंग रुक जाती है और अगर किसी तरह की ब्लॉकेज है तो वह भी अपने आप ही ठीक हो जाती है।

अगर यह इन्फ्लेमेटरी बाउल डिजीज के कारण हुआ है तो आपको इसके इलाज के समय थोड़ा दर्द हो सकता है और कठिनाई महसूस हो सकती है।

आपको किसी इन्फेक्शन के कारण भी टेंपररी कोलाइटिस हो सकता है। कुछ लोगों को यह लंबे समय से होता है जिसे क्रोनिक कोलाइटिस कहते हैं। आपको इस स्थिति के दौरान डायरिया हो सकता है और दर्द महसूस हो सकता है। इन्फ्लेमेशन होना आपके शरीर का इन्फेक्शन या चोट से निपटने का एक तरीका होता है।

लक्षण: इसके लक्षणों में पेट में दर्द होना, पेट फूलना, अचानक से डायरिया होना, स्टूल में खून आना या म्यूकस में खून आना, बिना किसी कारण के वजन कम होना, भूख न लगना, बुखार होना, मितली होना, थकान होना, एनीमिया होना, डिहाइड्रेशन होना आदि शामिल हैं।

कारण: इसके अलग अलग कारण हो सकते हैं जैसे यह वायरस या बैक्टिरियल इन्फेक्शन के कारण हो सकता है। ई कोली नाम का बैक्टीरिया इस स्थिति में इसका मुख्य कारण होता है। कई बार यह अन्य बैक्टीरिया या बैक्टीरिया के समूह के कारण भी हो सकता है। कुछ एक प्रकार ऐसे भी होते है जो दूध पीते बच्चों को टारगेट करते हैं। इन्फ्लेमेटरी बाउल डिजीज भी इस इन्फेक्शन का एक कारण हो सकती है। यह एक तरह की ऑटो इम्यून बीमारी होती है।

जटिलताएं: इस के कारण आपके कोलन की दीवारें कमजोर हो जाती हैं और बैक्टीरिया के कारण इनमें इन्फेक्शन हो सकता है जो आपकी मुसीबतों को बढ़ा सकता है। अगर इन्फेक्शन ज्यादा गंभीर हो जाए तो आपके कोलन की वॉल्स डॉयलेट होने लगती हैं। कई बार कुछ एक केसों में यह कैंसर का रूप भी ले सकता है।

क्या कोलाइटिस अपने आप ठीक हो जाता है?

अगर आपको सामान्य फूड पॉइजनिंग से कोलाइटिस हुआ है तो कुछ समय के रेस्ट और अच्छी डाइट के बाद यह इंफेक्शन अपने आप ठीक हो जाता है लेकिन अगर आप का कोलाइटिस गंभीर है तो आप को डॉक्टर के पास जा कर इसका इलाज करवाने की जरूरत होती है।

कोलाइटिस ग्रेविस से हो सकता है आंतों में सूजन और अल्सर का विकास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोलाइटिस ग्रेविस एक तरह का क्रोनिक डिसऑर्डर होता है जो आपके डाइजेस्टिव सिस्टम को प्रभावित करता है। जब रेक्टम ओर कोलन के आंतरिक हिस्से में इन्फ्लेमेशन हो जाए तो इस स्थिति की शुरुआत होती है। आपके रेक्टम और कोलन द्वारा ही आपकी बड़ी आंत की लंबाई बनती है। इस स्थिति के कारण आपकी बड़ी आंत में खुले घाव हो जाते हैं। आम तौर पर यह स्थिति 15 से 30 साल के लोगों में ज्यादा देखने को मिलती है लेकिन यह किसी भी उम्र में हो सकती है। यह इन्फ्लेमेशन एक बार ठीक हो कर दुबारा भी हो सकती है और जीवन में कई बार आपको इसका सामना करना पड़ सकता है। आपको इस स्थिति के दौरान पेट में दर्द जैसे लक्षण देखने को मिल सकते हैं।

लक्षण

इस स्थिति के सबसे मुख्य लक्षणों में आपको पेट दर्द और बार बार डायरिया होना होते है। डायरिया के दौरान आप को खून भी देखने को मिल सकता है और साथ ही स्टूल में म्यूकस या फिर पस देखने को मिल सकता है। इस स्थिति के मुख्य लक्षण यही थे जिन्हें देख कर आप इसका अंदाजा लगा सकते हैं हालांकि इसके कुछ अन्य लक्षण भी होते हैं जैसे बुखार होना, थकान होना, मितली आना, भूख न लगना और अचानक से स्टूल पास करने की आवश्यकता महसूस होना आदि।

जटिलताएं

इस बीमारी से जूझ रहे लोगों को डाइट से मिलने वाले पौष्टिक तत्वों को एब्जॉर्ब करने में काफी परेशानी महसूस होती है। अगर यह बच्चों में होता है तो बच्चों के विकास में बाधा आ सकती है और वह सामान्य से थोड़ा कम धीमे विकसित होते हैं। इसके अलावा आपको स्किन, किडनी, लिवर, आंख और जॉइंट्स में भी असामान्य रूप से इन्फ्लेमेशन देखने को मिल सकती है।

क्या यह जानलेवा हो सकता है?

इसके कुछ प्रकार जानलेवा हो सकते हैं जैसे टॉक्सिक मेगा कोलन। इसमें आपके कोलन की दीवारें बहुत ज्यादा फैलती जाती हैं और यह अत्यधिक इन्फ्लेमेशन के कारण होता है। यह स्थिति सबसे खतरनाक हो सकती है और जानवलेवा भी साबित हो सकती है। अगर आपको यह स्थिति 8 साल से अधिक रह जाती है तो कैंसर में बदलने के चांस भी काफी हद तक बढ़ जाते हैं।

कारण

यह एक ऐसा डिसऑर्डर है जो आपको जेनेटिक होता है। इसका मतलब है अगर आपके परिवार में किसी व्यक्ति को यह स्थिति है तो आपको भी हो सकती है हालांकि जिस माहौल में और जिस लाइफस्टाइल में आप रहते हैं वह भी इस स्थिति के होने का एक कारण हो सकता है।

इलाज

आपके डॉक्टर आपकी स्थिति के हिसाब से इसका इलाज तैयार करते हैं। इस स्थिति की वैसे तो कोई एक दवाई फिक्स नहीं होती है। इसकी दवाइयां अलग अलग डॉक्टर आपकी स्थिति को देख कर सुझा सकते हैं। दवाइयों के अलावा आपको थेरेपी आदि भी लेनी पड़ सकती है। आपको अलग अलग यंत्र जैसे इम्युनो मॉडलेटर का प्रयोग करने से भी मदद मिल सकती है। इसकी दवाइयां में कोर्टी को स्टीरॉयड आदि शामिल होते है। अगर आप इसकी शुरुआती स्टेज में ही डॉक्टर के पास पहुंच जाते हैं तो इसमें आप को ज्यादा तकलीफ महसूस करने को नहीं मिलते है और आप का इलाज काफी आसानी से हो सकता है। इसलिए लक्षण महसूस होने के तुरंत बाद डॉक्टर के पास जाएं।।

हड्डियों का बढ़ना बुढ़ापे में नुकसानदायक, बोन स्पर्स के लक्षण जान लें

हड्डियों की असामान्य वृद्धि को बोन स्पर्स कहते हैं। यह समस्या उन जगहों पर होती है जहां हड्डियां आपस में मिलती है यानी ज्वाइंट में बनने वाले उभार के पास कभी कभी हड्डी बढ़ जाती है। मेडिकल भाषा में इसे ओस्टियोफाइट्स कहा जाता है। इसका मुख्य कारण आम प्रकार के गठिया की वजह से ज्वाइंट को पहुंचने वाला नुकसान हो सकता है। इसे ओस्टियोआर्थराइटिस भी कहा जाता है। हाथ, कंधा, गर्दन, कूल्हे, घुटने और पैरों के अलावा रीड की हड्डी में भी यह समस्या हो सकती है। आमतौर पर इसका कोई लक्षण नहीं होता है या हो सकता है आप लक्षणों पर ध्यान ना दें। यदि इसके इलाज की आवश्यकता होती है तो यह इस बात पर निर्भर करता है कि स्पर्स कहां स्थित है और वह आपकी सेहत को कैसे प्रभावित कर सकते हैं। बोन स्पर्स का कोई लक्षण नहीं होता है। हो सकता है जब आप किसी अन्य स्थिति के लिए एक्स रे करवाएं तब आपको इसके बारे में पता चले। हालांकि कभी–कभी हड्डी में ऐंठन और जोड़ों के दर्द से भी इसका पता लग सकता है। आमतौर पर जब बढ़ी हुई हड्डी किसी नस को दबाती है तो तेज दर्द होता है। बोन स्पर्स के लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि यह किस जगह है। बोन स्पर्स के कई कारण हो सकते हैं। ओस्टियोआर्थराइटिस की वजह से जोड़ों को काफी नुकसान पहुंचता है और इससे बोन स्पर्स भी हो सकता है।

होठों के आसपास होने वाले छालों को ना करें इग्नोर

कोल्ड सोर्स एक तरह का कॉमन वायरल इन्फेक्शन है और यह किसी को भी हो सकता है। यह एक प्रकार के छाले होते हैं जो आपके मुंह के किसी भी भाग में देखने को मिल सकते हैं। आम तौर पर यह आपके होंठों के आस पास देखने को मिलते हैं। यह काफी छोटे छोटे होते हैं और फ्ल्यूड से भरे हुए होते हैं। आपको यह एक समूह में देखने को मिल सकते हैं। जब यह छाला फूटता है तो एक घाव हो सकता है जो एक हफ्ते तक रह सकता है। यह छाले 2 से तीन हफ्ते के अंदर अंदर ही अपने आप ठीक हो जाते हैं और किसी तरह का घाव या निशान भी नहीं छोड़ कर जाते हैं। यह छाले किसिंग आदि के कॉन्टैक्ट से फैलते हैं। इसलिए अगर किसी अन्य व्यक्ति को ऐसे छाले हैं तो आप को उनसे दूर रहने की कोशिश करनी चाहिए। हर्पीज सिम्प्लेक्स वायरस इनका आम तौर पर कारण होता है पर यह कुछ अन्य वायरस के कारण भी हो सकते हैं। आइए जान लेते हैं इस इन्फेक्शन से जुड़ी सारी जानकारी के बारे में। गुदगुदी होना या फिर खुजली होना रू बहुत से लोगों को छाले के आस पास जलन महसूस होती है और कुछ अन्य लक्षण जैसे गुदगुदी होना या फिर खुजली होना आदि भी महसूस हो सकता है।

किन–किन लोगों को चढ़ाया जाता है खून, एलर्जिक रिएक्शन का भी खतरा

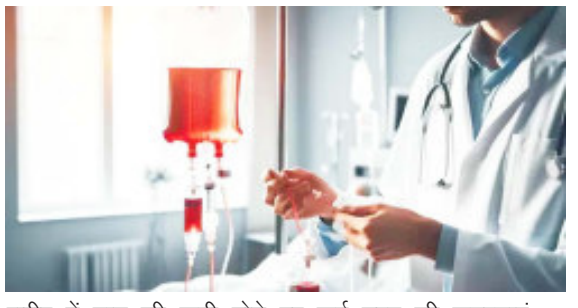

शरीर में खून की कमी होने पर कई तरह की समस्याएं होने लगती है सांस लेने में कठिनाई होना, त्वचा का पीला पड़ना, दिल की धड़कन बढ़ना, चक्कर आना आदि। ऐसे में कई बार डॉक्टर मरीज के शरीर में खून चढ़ाने का फैसला लेते हैं। जो लोग स्वस्थ होते हैं अक्सर वे ब्लड डोनेट करते हैं और जरूरत पड़ने पर इसी खून का इस्तेमाल रोगी के लिए किया जाता है। हालांकि ब्लड डोनेट करने से पहले डोनर के ब्लड सैंपल से उसकी मेडिकल हिस्ट्री के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त की जाती है। मरीज की जरूरत के आधार पर डॉक्टर लाल रक्त कोशिकाओं, सफेद रक्त कोशिकाओं, प्लेटलेट्स या क्लॉटिंग कारकों, प्लाज्मा या पूरा खून चढ़ाने की सलाह देते हैं। ब्लड ट्रांसफ्यूजन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें हैं जिसके बारे में हर किसी को जानकारी नहीं है। आइए हम आपको विस्तार से बताते हैं। यदि कोई व्यक्ति किसी बीमारी से जूझ रहा है या फिर उसके शरीर से किसी कारणवश खून ज्यादा बह गया है तो उसे अतिरिक्त खून की जरूरत पड़ती है। अगर आपके शरीर में हेल्दी ब्लड बनाने वाले एक या अधिक घटक की कमी है तो भी ट्रांसफ्यूजन से आपके शरीर की इस कमी को पूरा किया जा सकता है। ब्लड ट्रांसफ्यूजन में एक से चार घंटे तक का समय लगता है। हालांकि यह इस बात पर निर्भर करता है कि मरीज को कितने खून की जरूरत है।

इनका किया शिकार

सैंटनर ने दिन की शुरुआत शुभमन गिल का विकेट लेने के साथ की। उन्होंने इसके बाद विराट कोहली को अपना शिकार बनाया। बेंगलुरु में शतक जमाने वाले सरफराज खान भी सैंटनर का शिकार बने। फिर उन्होंने रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, आकाश दीप और जसप्रीत बुमराह के विकेट निकाले।

मिचेल सैंटनर ने भारतीय बल्लेबाजों का बांधा पुलिंदा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम पुणे में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में बड़ा स्कोर नहीं कर सकी। न्यूजीलैंड के 259 रनों के जवाब में टीम इंडिया 156 रनों पर ही ढेर हो गई। भारत के दिग्गज बल्लेबाज कीवी टीम के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सके। इसमें सबसे बड़ा रोल निभाया बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सैंटनर ने। सैंटनर ने ऐसा प्रदर्शन किया है जिसने उन्हें दिग्गजों की लिस्ट में खड़ा कर दिया है। सैंटनर ने वही किया है जो इस टेस्ट मैच के पहले दिन भारत के वॉशिंगटन सुंदर ने किया था। पहले दिन सुंदर ने सात विकेट लेकर न्यूजीलैंड की कमर तोड़ दी थी। वहीं दूसरे दिन सैंटनर ने भी सात विकेट लेकर टीम इंडिया को हालत खराब कर दी। सैंटनर ने 19.3 ओवरों में 53 रन देकर सात विकेट लिए। ये उनका टेस्ट करियर का बेस्ट परफॉर्मेंस है। इस परफॉर्मेंस के बाद सैंटनर अपने देश के उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं भारत में एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं। इस लिस्ट में सैंटनर के अलावा इस मैच में उनके जोड़ीदार एजाज पटेल, जॉन ब्रेसवेल, डेनियल विटोरी हेडली होवार्थ के नाम शामिल हैं। एजाज पटेल के नाम भारत में बेस्ट बॉलिंग का रिकॉर्ड है।

टीम इंडिया को सीरीज गंवाकर न करना पड़ जाए भुगतान

क्रिकेट

23 साल बाद टीम इंडिया से हो गई गलती, न्यूजीलैंड ने तो गजब कर दिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय टीम पुणे में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में पहली पारी में बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर पाई। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने मेजबान टीम को महज 156 रनों पर ढेर कर दिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने अनजाने में वो काम कर दिया जो साल 2001 से नहीं हुआ था और ये मेजबान टीम के लिए अच्छी बात नहीं है।

न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर के सात विकेटों के दम पर न्यूजीलैंड ने भारत को विशाल स्कोर करने से रोक दिया। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 259 रन बनाए थे। पहली पारी के आधार पर वह 103 रनों की बढ़त लेकर उतरी। किसी ने उम्मीद नहीं की थी कि भारत की ये स्थिति होगी। हालांकि, इससे पहले बेंगलुरु टेस्ट की पहली पारी में भी भारत

महज 46 रनों पर ढेर हो गया था।

न्यूज़ीलैंड ने बेंगलुरु में खेले गए पहले टेस्ट मैच में पहली पारी के आधार पर बढ़त ले ली थी। पुणे टेस्ट मैच में भी वह इस काम में सफल रही। 2001 के बाद ये पहली बार जब भारत ने अपने घर में लगातार दो मैचों में पहली पारी में बढ़त दी है। ऑस्ट्रेलिया ने साल 2001 में वानखेड़े में खेले गए टेस्ट मैच में 173 और फिर कोलकाता में खेल गए टेस्ट मैच में 274 रनों की बढ़त ले ली थी।

सैंटनर ने इस पारी में 19.3 ओवरों में 53 रन देकर सात विकेट अपने नाम किए। ये उनका टेस्ट में अभी तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इसके अलावा वह अपने देश के उन स्पिनरों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने भारतीय जमीन पर एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट लिए हों। भारतीय बल्लेबाज पहली पारी में पूरी तरह से फेल रहे। टीम इंडिया की तरफ से एक भी बल्लेबाज के बल्ले से अर्धशतक नहीं निकल सका। टीम के लिए सबसे ज्यादा 38 रन रवींद्र जडेजा ने बनाए। उनके अलावा शुभमन गिल ने 30 रनों का योगदान दिया। यशस्वी जायसवाल ने भी 30 रन बनाए। ऋषभ पंत ने भी 18 रन बनाए।

उल्लेखनीय है कि बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारतीय टीम पहली पारी में 46 रनों पर ढेर हो गई थी, जबकि दूसरी पारी में 400 से अधिक रन बनाने के बावजूद हार गई थी। वह सीरीज में 0–1 से पिछड़ी हुई है। बेंगलुरु में पेस को मदद मिली थी, जबकि पुणे में टर्निंग विकेट मिला। न्यूजीलैंड की पहली पारी के सभी 10 विकेट स्पिनरों के नाम ही रहे।

विराट कोहली से ऐसी उम्मीद तो नहीं थी, कर गए बचकानी गलती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का मुरीद हर कोई है। उनकी बल्लेबाजी की तारीफ क्रिकेट की दुनिया का हर दिग्गज करता है। पुणे में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में कोहली से मुश्किल समय में बड़ी पारी की उम्मीद थी लेकिन कोहली ने ऐसी बचकानी गलती कर दी कि जिसने देखा उसने अपना माथा पटक लिया। खुद कोहलो की भी यकीन नहीं हो रहा था कि वह ऐसा कैसे कर सकते हैं।

भारत ने वॉशिंगटन सुंदर के सात विकेट के दम पर न्यूजीलैंड को पहली पारी में बड़ा स्कोर नहीं करन दिया। कीवी टीम 259 रनों पर ही ढेर हो गई। उम्मीद थी कि भारतीय बल्लेबाज पुणे में कमाल करेंगे लेकिन टीम के दिग्गज फेल हो गए। विराट ने नौ

■विराट कोहली नहीं खेल पाए बड़ी पारी

गेंदों पर सिर्फ एक रन ही बनाया।

कोहली को न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर ने आउट किया, लेकिन जिस तरह से कोहली आउट हुए उसे देख लग रहा था कि कोई बच्चा जिसने अभी क्रिकेट की ट्रेनिंग शुरू की है वो आउट हुआ है। सैंटनर की गेंद फुलटॉस थी। कोहली आराम से इसे सीधा खेल सकते थे, लेकिन कोहली आड़ा शॉट खेलने गए जिससे उनके बैट और पैड में गैप बना और गेंद स्टंप पर जा लगी। कोहली ने जिस अंदाज में इस गेंद को जज किया और खेल वही उनकी बचकानी गलती रही और कोहली का खुद का रिएक्शन इस बात को बता रहा था कि वह कितनी बड़ी गलती कर बैठे हैं। कोहली घुटने के बल बैठ गए और एक दम हताश नजर आए। वह जब पवेलियन जा रहे थे तब वह काफी उदास थे। उनका जाना भारत के लिए काफी बड़ा झटका था। कोहली जैसे ही आउट हुए पूरे स्टेडियम में सन्नाता पसर गया। किसी को यकीन नहीं हो रहा था कि वह आउट हो गए हैं।

टीम इंडिया ने दूसरे दिन की शुरुआत एक विकेट के नुकसान पर 16 रनों के साथ की थी। टीम के कप्तान रोहित शर्मा पहले दिन आखिरी सेशन में पवेलियन लौट गए थे। दूसरे दिन के पहले सत्र में भारतीय बल्लेबाजों से दमदार खेल की उम्मीद थी लेकिन टीम इंडिया ने इस सेशन में अपने छह विकेट खो दिए। पहले गिल पवेलियन लौटे और फिर विकेटों की झड़ी लग गई। कोहली, ऋषभ पंत, सरफराज खान एक–एक कर आउट हो गए।

भारत ने टी20 वर्ल्ड चैंपियन न्यूजीलैंड को रौंदा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम ने वर्ल्ड टी20 चौंपियन न्यूजीलैंड को पहले वनडे में शिकस्त दी। इस जीत से महिला टी20 वर्ल्ड कप में मिली हार का भारतीय टीम ने बदला ले लिया। भारत की तरफ से दीप्ति शर्मा ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। बल्लेबाजी करते हुए दीप्ति ने 41 रन बनाए और एक महत्वपूर्ण विकेट हासिल किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर चोट के कारण मैच में नहीं खेल पाईं और उनकी जगह स्मृति मंधाना ने कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत की टीम 227 रन पर सिमट गई। डेब्यूटेंट तेजल हसबनीस ने 42 रन बनाए और फॉर्म में चल रही दीप्ति ने 41 रन जोड़कर भारतीय टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में मदद की। कप्तान स्मृति मंधाना का बल्ला खामोश रहा। वह पांच रन बनाकर आउट हो गईं।

न्यूज डायरी

30 रन बनाकर ही यशस्वी जायसवाल कर गए बड़ा काम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पुणे में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाए लेकिन फिर भी उनके नाम एक खास रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। वह इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और मौजूदा समय के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। यशस्वी न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में अच्छी लय में नजर आ रहे थे, लेकिन ग्लेन फिलिप्स की एक गेंद पर वह आउट हो गए। फिलिप्स की गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर स्लिप में खड़े डेरिल मिचेल के हाथों में चली गई। यशस्वी ने 60 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 30 रन बनाए। यशस्वी ने इस मैच में जो पारी खेली उस दौरान इस साल टेस्ट क्रिकेट में अपने 1000 रन पूरे कर लिए हैं। वह साल 2024 में टेस्ट क्रिकेट में 1000 रन पूरे करने वाले दूसरे ही बल्लेबाज हैं। उनसे पहले ये काम इंग्लैंड के जो रूट ने किया है। रूट ने इस साल अभी तक खेले 14 टेस्ट मैचों में 1305 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 59.31 का रहा है। यशस्वी अब उनकी लिस्ट में शामिल हो गए हैं। यशस्वी ने इस साल 10 टेस्ट मैचों में 1007 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 59.23 का रहा है। इसी साल की शुरुआत में यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में जमकर रन बनाए थे। उन्होंने 700 रनों से ज्यादा स्कोर किया था।

डेविड वॉर्नर के वापसी के सपने को पैट कमिंस ने कर दिया फुस्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर ने हाल ही में कहा था कि अगर टीम को उनकी जरूरत होगी तो वह बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में वापसी कर सकते हैं। वॉर्नर ने इसी साल टी20 वर्ल्ड कप–2024 के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। हालांकि, वह फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। लेकिन अब वॉर्नर ने इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की इच्छा जाहिर की है। हालांकि, उनकी ख्वाहिश को टेस्ट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने हवा नहीं दी है और हंसते हुए बहुत बड़ी बात कह दी। वॉर्नर ने कहा कि अगर टीम को उनकी जरूरत होगी तो वह भारत के खिलाफ साल के अंत में खेली जाने वाली बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में वापसी कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के पास वॉर्नर के जाने के बाद से टेस्ट में कोई अच्छा ओपनर नहीं है। इसलिए वॉर्नर ने संन्यास से वापसी की बात कही थी। पैट कमिंस ने वॉर्नर की वापसी को लेकर उनसे जो कहा वो सुनकर निश्चित ही इस बल्लेबाज को अच्छा नहीं लगा होगा। कमिंस ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में बताया कि उनकी और वॉर्नर की इस मसले पर बात हुई थी और टेस्ट कप्तान ने वॉर्नर को कमेंट्री पर ध्यान देने को कहा है। कमिंस ने कहा, ष्डेव , हम लोग काफी रोमांचित हैं। हम इसे बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। हम इस बारे में बात करते रहेंगे। मैं कुछ दिन पहले वॉर्नर से मिला था। उन्होंने मुझसे पूछा था कि मैं इस बारे में क्या सोचता हूं।

टीम इंडिया के बाद एलएसजी से भी हो सकती है केएल राहुल की छुट्टी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स केएल राहुल को एलएसजी के आगामी सीजन के लिए रिटेन न करने का फैसला कर सकती है। इसके चलते वह मेगा आक्शन का हिस्सा बन सकते हैं। आईपीएल 2024 के समाप्त होने के बाद राहुल के इर्द–गिर्द इस तरह के सवाल बने हुए थे कि क्या उन्हें रिटेन किया जाएगा? क्या वह खुद नीलामी का रुख करना चाहते हैं? क्या रैंळ उन्हें रिटेन करेगी लेकिन वह कप्तान नहीं रहेंगे? ईएसपीएन क्रिकइन्फो के मुताबिक, अब इन सारे सवालों के जवाब शायद धीरे–धीरे मिलने शुरू हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आगामी सीजन के लिए लखनऊ केएल राहुल को रिटेन करने के मूड में नहीं है। हालांकि, आने वाले कुछ दिनों में इस संबंध में अंतिम निर्णय ले लिया जाएगा। बता दें कि एलएसजी के अपने पहले दो सीजन में प्लेऑफ में पहुंचने के बाद एलएसजी आईपीएल 2024 में प्वाइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर रही थी। हालांकि, लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए अब तक सबसे ज्यादा रन राहुल ने ही बनाए हैं। 2022 के सीजन में वह टूर्नामेंट में दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। 2023 में चोट के चलते वह नौ मैच खेलने के बाद बाहर हो गए।

पेज थ्री देहरादून

पुनर्गठन विभाग तथा संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए वित्त मंत्री।

हमारा दून

देहरादून, शनिवार, 26 अक्टूबर 2024

पेज 8

संक्षिप्त समाचार

किरायेदार यूपी से लाती थी स्मैक, मकानमालिक बेचती थी दून, दोनो गिरफ्तार

संवाददाता देहरादून। नशे के खिलाफ एसटीएफ की एएनटीएफ द्वारा की जा रही ताबड़तोड़ कार्यवाही में एएनटीएफ द्वारा आज शुक्रवार को महिला ड्रग्स तस्करो के एक गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एएनटीएफ द्वारा एक महिला को भारती दूरदर्शन भवन के सामने से 158 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है वहीं उस स्मैक गिरोह को संचालित करने वाली महिला के घर से एनसीबी व एएनटीएफ की संयुक्त टीम ने 4 लाख 57 हजार रुपये नगद बरामद किए है। पकड़ी गई दोनो महिला अभियुक्ता मकानमालिक व किराएदार है।

सीएम ने केंद्रीय मंत्री खट्टर का जताया आभार

संवाददाता देहरादून। टीएचडीसी की ओर से टिहरी मेडिकल कालेज के निर्माण को मंजूरी देने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर का आभार जताया। सीएम धामी ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री को पत्र लिख कर आभार जताते हुए कहा कि इस मेडिकल कालेज से टिहरी, उत्तरकाशी समेत रुद्रप्रयाग जिले के ग्रामीणों को भी लाभ मिलेगा। सीएम धामी ने कहा कि अभी टिहरी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग जिले में कोई मेडिकल कालेज नहीं है। बीमार लोगों को उच्च स्तरीय इलाज को एम्स ऋषिकेश और देहरादून ही आना पड़ता है।

पेयजल उपभोक्ताओं को एसएमएस नहीं भेजने पर उठाए सवाल

संवाददाता देहरादून। पेयजल निगम मेंहूवाला में उपभोक्ताओ के रजिस्टर नम्बर पर एसएमएस के माध्यम से पानी के बिल की सूचना उपलब्ध नहीं करवा पा रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता वीरु बिष्ट ने पेयजल निगम इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों से की है। उनके मुताबिक अधिकारियों की लापरवाही के चलते यह योजना लागू नहीं हो पा रही। सूचना का अधिकार में जब इस सुविधा के बाबत जानकारी मांगी गई तो पता चला कि विभाग को एसएमएस के माध्यम से भी उपभोक्ताओं को पानी के बिल की जानकारी उपलब्ध कराने का प्रावधान है मगर विभाग इस तरह का कोई सॉफ्टवेयर ही नहीं बना सका है।

बीएसएनएल कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता देहरादून। बीएसएनएल इंपलाइज यूनियन ने विभिन्न मांगों को लेकर शुक्रवार को पटेलनगर स्थित कार्यालय पर प्रदर्शन किया। उन्होंने शीघ्र मांगों के निराकरण की मांग की है। कर्मचारियों ने वेतन और पेंशन संशोधन का समाधान करने, बीएसएनएल की 4जी और 5जी सेवाओं को शुरू करने, कांट्रेक्ट वर्कर्स के लिए न्यूनतम वेतन लागू करने, ईपीएफ और ईएसआई का लाभ देने की मांग की है।

कॉनक्लेव का मुख्य उद्देश्य राज्य के युवाओं को सशक्त बनाना: सीएस

समीक्षा

- मुख्य सचिव ने स्किल डेवलपमेंट एण्ड एम्पलॉयमेंट कॉनक्लेव की तैयारियों के सम्बन्ध में समीक्षा की
- सम्बन्धित विभागों को आंकडों के साथ वर्किंग प्लान एक सप्ताह में प्रेषित करने के निर्देश

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड के युवाओं के लिए कौशल विकास एवं रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करने के रोडमैप के सम्बन्ध में स्किल डेवलपमेंट एण्ड एम्पलॉयमेंट कॉनक्लेव का आयोजन नवम्बर माह में देहरादून में किए जाने से सम्बन्धित बैठक में शुक्रवार को सचिवालय में मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने इस सम्बन्ध में सभी विभागों को आंकडों के साथ वर्किंग प्लान एक सप्ताह में प्रेषित करने के निर्देश दिए हैं। सीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने कहा है कि उक्त वर्किंग प्लान के आधार पर स्किल डेवलपमेंट एण्ड एम्पलॉयमेंट कॉनक्लेव में राज्य सरकार के एक स्पष्ट एवं प्रभावी एक्शन प्लान को अन्तिम रूप दिया जा सकेगा।

स्किल डेवलपमेंट एण्ड एम्पलॉयमेंट कॉनक्लेव के महत्व को रेखांकित करते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने कहा कि इस कॉनक्लेव का मुख्य उद्देश्य राज्य के युवाओं को सशक्त बनाना, प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखण्ड के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में रोजगार की चुनौतियों का समाधान करना है।

मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने कहा कि इस कॉनक्लेव में नीति आयोग, यूएनडीपी, इन्टरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन, मानव विकास संस्थान, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान व यूनिसेफ का सहयोग प्राप्त होगा।

मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सम्बन्धित विभागों को कौशल विकास के क्षेत्र में गैप, केस स्टडीज तथा बेस्ट प्रैक्टिसेज को उजागर करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने विभागों की आन्तरिक व्यवस्था में वर्तमान में कौशल विकास हेतु क्या ईकोसिस्टम मौजूद है, इस पर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विभागीय प्रशिक्षण के माध्यम से सर्टिफिकेशन, विभागों के ट्रेनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर ,विभागों के प्रशिक्षण केन्द्रों का सामान्य कौशल विकास हेतु उपयोग, ट्रेनिंग मोड्स (ऑनलाइन, ऑफलाइन, हाइब्रिड), फण्ड की व्यवस्था, अन्य विभागों का राज्य के कौशल एवं रोजगार विभाग के साथ समन्वय, कौशल विकास प्रशिक्षण की चुनौतियों पर स्पष्ट जानकारी देने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने विभागों से स्किल डेवलपमेंट को और अधिक प्रभावी बनाने के सम्बन्ध में सुझाव भेजने के भी निर्देश दिए हैं। बैठक में सेतु आयोग के उपाध्यक्ष श्री राजशेखर जोशी, विनय शंकर पाण्डेय सहित सभी संबंधित विभागों के सचिव, अपर सचिव एवं अधिकारी मौजूद रहे।

विभिन्न विभागों की सक्रिय भागीदारी से तैयार किया जाएगा रोडमैप

मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने निर्देश दिए कि उक्त कॉनक्लेव में कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, श्रम, सूचना प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी (आईटीडीए), पर्यटन, शहरी विकास, ग्रामीण विकास, उद्योग, समाज कल्याण, वन, ऊर्जा, कृषि एवं संबद्ध विभागों के समन्वित प्रयासों से कौशल विकास एवं रोजगार का रोडमैप बनाया जाएगा।

सौर ऊर्जा–उत्तराखण्ड में सौर ऊर्जा क्रांति की नींव तैयार

बैठक

- सीएम सौर स्वरोजगार योजना पलायन रोकथाम के साथ ही स्वरोजगार में कारगर

उत्तराखण्ड को धूप का उपहार प्रकृति से मिला है, यहां सर्दियों में भी धूप खिली रहती है। इस कारण उत्तराखण्ड राज्य सौर ऊर्जा के लिए आदर्श है। इसीलिए सरकार सोलर प्रोजेक्ट का बढ़ावा दे रही है। इसके लिए उद्यमियों को तमाम तरह से प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सोलर प्रोजेक्ट से पलायन रोकथाम के साथ ही, गांवों की आर्थिकी बढ़ाने में कारगर साबित हुई है।''

पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री।

संवाददाता

देहरादून। गंगा– यमुना और बदरी–केदार की धरती में खामोशी के साथ सौर ऊर्जा क्रांति की नींव पड़ चुकी है। मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना के जरिए सैकड़ों लोग अपने सोलर प्लांट सफलता पूर्वक संचालित कर रहे हैं। उत्तराखण्ड में इस समय करीब 600 मेगावाट की सौर ऊर्जा पैदा हो रही है, साथ ही 174 मेगावाट क्षमता के नए सोलर पावर प्लांट का भी आवंटन हो चुका है।

प्रदेश में पलायन रोकने के साथ ही स्वरोजगार के साधन विकसित करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार सीएम सौर स्वरोजगार योजना संचालित कर रही है। योजना के तहत एक परिवार का एक व्यक्ति 20, 25, 50, 100 या 200 किलोवॉट का एक सोलर प्लांट लगा सकता है। जिसकी पूरी उत्पादित बिजली यूपीसीएल खरीदता है। इसके लिए उन्हें मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना और उद्योग विभाग की एमएसएमई पॉलिसी के तहत मिलने वाली सभी छूट का लाभ प्रदान किया जा रहा है। सोलर प्लांट के लिए प्रदेश के स्थायी निवासी ही पात्र होते हैं, प्लांट की स्थापना अपनी निजी भूमि के साथ ही लीज की जमीन पर भी की जा सकती है। प्लांट लगाने के लिए सहकारी बैंक के साथ ही अन्य बैंकों के जरिए भी लोन प्रदान किया जा रहा है।

उत्तरकाशी जिले में चिन्यालीसौड़ के पास टिपरी गांव निवासी आमोद पंवार ने सोलर पावर प्रोजेक्ट, खेती– बागवानी के साथ ही मत्स्य और मधुमक्खी पालन का एक सफल स्वरोजगार मॉडल खड़ा किया है। आमोद बताते हैं कि पहले ग्रिड की बिजली सप्लाई होने से, गांव में बिजली आपूर्ति अनियमित होती थी, उनका गांव टिहरी झील के ठीक सामने है। ऐसे में टिहरी बांध का गांव वालों के लिए सांकेतिक महत्व ही था, लेकिन अब सोलर प्रोजेक्ट के चलते गांव की बिजली आपूर्ति भी सुधर गई है। टिहरी जिले में देवप्रयाग विकासखंड के निवासी प्रताप सिंह रावत ने 2020 में खुद के नाम 400 किलोवाट का प्लांट लगाया, इसके बाद पत्नी के नाम 200 किलोवाट का प्लांट लिया।

पुनर्गठन मंत्री ने पुनर्गठन विभाग के अधिकारियों के साथ की बैठक

संवाददाता देहरादून। प्रदेश के पुनर्गठन मंत्री डॉ0 प्रेम चन्द अग्रवाल ने विधानसभा स्थित सभागार कक्ष में पुनर्गठन विभाग तथा संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश से विभाजित होने के पश्चात से ही उत्तराखण्ड तथा उत्तर प्रदेश के बीच परिसम्मपत्तियों के बंटवारे को लेकर बातचीत तथा बैठकें समय–समय पर आयोजित की जाती रही हैं। इसी कड़ी में आज भी परिसम्मपत्तियों को लेकर पुनर्गठन से जुड़े हुए सभी विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की गई। पुनर्गठन मंत्री ने कहा कि मुख्यतः वन, सिंचाई, ऊर्जा और सहकारिता विभाग से संबंधित परिसम्मपत्तियों के संबंध में चर्चा की गई। जिसमें सहकारिता विभाग के अंतर्गत यह पाया गया कि उत्तर प्रदेश द्वारा उत्तराखण्ड को लगभग रूपये 10 करोड़ 44 लाख की धनराशि देय है जबकि उत्तराखण्ड द्वारा उत्तर प्रदेश को लगभग रूपये 03 करोड़ 33 लाख की धनराशि देय है जिस हेतु दोनों राज्य में सहमति बनी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादक: प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।